



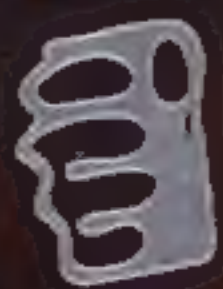
হিন্দী বাংলা

স্পিকিং কোর্স



হিন্দী বাংলা

স্পিকিং কোর্স



Unite 2



হিন্দী বাংলা স্বরবর্ণ

হিন্দী বাংলা স্বরবর্ণ

Munnaraj904@gmail.com

अ	आ	इ	ई
अ	आ	इ	ई
उ	ऊ	ऋ	ॠ
ए	ऐ	ओ	औ
अं	अः		
अं	अः		

0105040592

মনে রাখবে—হিন্দী ভাষায় (ॐ) এবং (ॐ)-এর ব্যবহার

প্রকাশক :

মোঃ মুন্নার হোসেন খান

মানন্দা প্রকাশনী

মোবাইল : ০১১১১৫৬২৬৬৪

৩৬, বাংলাবাজার, ঢাকা

প্রকাশক কর্তৃক সর্বস্বত্ত্ব সংরক্ষিত

প্রথম প্রকাশ

জানুয়ারি ২০১৪ ইং

মূল্য ৫০.০০ টাকা মাত্র

বর্ণ বিন্যাস

রাফি কম্পিউটার

১১ বাংলাবাজার, ঢাকা-১১০০

মুদ্রণ : বাকো অফসেট প্রেস

১৮, হুমিকেন্স দাস রোড, একরামপুর, সূত্রাপুর, ঢাকা-১১০০

বাঁধাই : লতিফ বুক বাইন্ডিং হাউস

৩৫নং পাতলা খান লেন, ঢাকা।

হিন্দী বংগলা ব্যঞ্জনবর্ণ

হিন্দী বাংলা ব্যঞ্জনবর্ণ

ক	খ	গ	ঘ	ঙ
ক	খ	গ	ঘ	ঙ
চ	ছ	জ	ঝ	ঞ
চ	ছ	জ	ঝ	ঞ
ট	ঠ	ড	ঢ	ণ
ট	ঠ	ড	ঢ	ণ
ত	থ	দ	ধ	ন
ত	থ	দ	ধ	ন

প	ফ	ব	ভ	ম
প	ফ	ব	ভ	ম
য	র	ল	ব	শ
য	র	ল	ব	শ
ষ	স	হ	ডে	ঢে
ষ	স	হ	ডে	ঢে
০	০	ঃ	ক্ষ	জ্ঞ
০	০	ঃ	ক্ষ	জ্ঞ

মনে রাখবে—হিন্দী ভাষায় 'য়'-এর ব্যবহার নাই।

অতিরিক্ত বর্ণ (অতিরিক্ত বর্ণ)

ঋ ঌ ড ঢ ণ
ক্ষ ঞ ণ ণ ণ

মনে রাখবে—উপরোক্ত বর্ণগুলিকে হিন্দীতে অতিরিক্ত বর্ণ বলা হয়।

स्वरवर्ण की परीक्षा (সংবর্ ওয়ার্ড কী পরীক্ষা)

उ ए आ ओ इ लृ ऊ
ऐ ऎ आ ओ ऋ ॠ
ऋ ई औ अ ऐ अं अः
अ ई औ अ ऐ अं अः

व्यंजनवर्ण की परीक्षा (ওয়্যান্জন ওয়ার্ড কী পরীক্ষা)

क ख ग घ ङ
क ख ग घ ङ

ज व झ र भ फ घ
ज व झ र भ फ घ
ष थ ड ढ ख ग प
ष थ ड ढ ख ग प
ड ढ ण ल अ श छ
ड ढ ण ल ञ श छ
त म व ड स च प
ट म व ड स च प
क्ष ऋ ॠ ॡ

स्वरवर्णों का मात्रा (স্বরবর্ণের মাত্রা)

आ = 1 इ = 1 ई = 1 उ = 1 ऊ = 1
आ = 1 ई = 1 इ = 1 उ = 1 ऊ = 1
ऋ = 1 ए = 1 ऐ = 1 ओ = 1 औ = 1
अ = 1 ए = 1 ऐ = 1 ओ = 1 औ = 1

হিন্দী-উচ্চারণ

হিন্দীতে অ, ই, উ, ঋ—এই স্বরবর্ণগুলির উচ্চারণ হ্রস্ব।

আ, ঈ, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ ইত্যাদির উচ্চারণ দীর্ঘ।

হিন্দীতে অ-এর উচ্চারণ অনেকটা বাংলা 'আ'-এর মতো। যথা—अव (আব) हम (হাম) ইত্যাদি।

হিন্দীতে 'ऐ'-এর উচ্চারণ বাংলা ঐ-কারের মতো নয়। হিন্দীতে এর উচ্চারণ 'আয়'-এর মতো। যথা—है (হ্যায়), मैं (ম্যায়), कैसा (ক্যায়সা), जैसा (জ্যায়সা) ইত্যাদি।

হিন্দীতে 'औ'-কারের উচ্চারণ বাংলা ঔ-কারের মতো নয়। হিন্দীতে এর উচ্চারণ অনেকটা 'অও'-এর মতো। যথা—और (আওর), कौन (কওন), कौवा (কওয়া), पौधा (পওধা) ইত্যাদি।

হিন্দীতে 'ज'-এর উচ্চারণ বাংলা 'জ'-এর মতো। কিন্তু 'य'-এর উচ্চারণ 'ইয়'-এর মতো। যেমন—यह (ইয়হ), यहाँ (ইয়হাঁ) ইত্যাদি।

হিন্দীতে পেট কাটা 'ब'-এর উচ্চারণ বাংলা 'ব'-মতো, কিন্তু পেট কাটা 'ब' না হলে, অর্থাৎ অন্তস্থ 'ब' হলে তার উচ্চারণ 'উও'-এর মতো। যেমন—बह (উওহ), बहाँ (উওহাঁ)।

হিন্দীতে 'य' যদি শব্দের মধ্যে বা পদের শেষে থাকে, তবে তার উচ্চারণ হবে বাংলা 'য়'-মতো বা য-ফলা (j)-র মতো। যথা—नयन (নয়ন), समय (সময়) ইত্যাদি।

হিন্দীতে 'य' বা (j)-ফলা কোনও অক্ষরের সঙ্গে যুক্ত হলে তার উচ্চারণ 'ইয়'-এর মতো হয়। যেমন—कन्या (কন্ইয়া), गद्य (গদ্ইয়), अभ्यास (অভ্ইয়াস) ইত্যাদি।

হিন্দীতে 'श' ও 'ष' এর উচ্চারণ বাংলা 'শ' ও 'ষ'-এর মতোই, কিন্তু 'ष' যদি 'क'-এর সঙ্গে যুক্ত হয়। তাহলে বাংলা উচ্চারণ 'ক্ষ' কিন্তু হিন্দীতে এর উচ্চারণ হবে 'ক্ষ'-এর মতো হয়। যেমন—परीक्षा (পরীক্ষা)। अपेक्षा (অপেক্ষা) ইত্যাদি।

ব্যঞ্জনবর্ণের সঙ্গে স্বরমাত্রার যোগ

वारहरवड़ीयाँ

क	का	कि	की	कु	कू	कृ	के	कै	को	कौ	कं	कः
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खृ	खे	खै	खो	खौ	खं	खः
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गृ	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घृ	घे	घै	घो	घौ	घं	घः
च	चा	चि	ची	चु	चू	चृ	चे	चै	चो	चौ	चं	चः
छ	छा	छि	छी	छु	छू	छृ	छे	छै	छो	छौ	छं	छः
ज	जा	जि	जी	जु	जू	जू	जे	जै	जो	जौ	जं	जः
झ	झा	झि	झी	झु	झू	झृ	झे	झै	झो	झौ	झं	झः

अ अ ट ठ ड ढ ण त थ द ध न प फ
आ आ ट ठ ड ढ ण ता था दा धा ना पा फा
इ इ ट ठ ड ढ ण ई ई टी टी डी डी नी पी फी
उ उ ट ठ ड ढ ण ऊ ऊ टू टू डू डू नू पु फू
ए ए ट ठ ड ढ ण ऐ ऐ टै टै डै डै नै पे फे
ओ ओ टै टै ठौ ठौ डौ डौ नौ पौ फौ
औ औ टै टै ठौ ठौ डौ डौ नौ पौ फौ
अ अ ट ठ ड ढ ण आ आ टा टा डा धा ना पा फा
इ इ ट ठ ड ढ ण ई ई टी टी डी डी नी पी फी
उ उ ट ठ ड ढ ण ऊ ऊ टू टू डू डू नू पु फू
ए ए ट ठ ड ढ ण ऐ ऐ टै टै डै डै नै पे फे
ओ ओ टै टै ठौ ठौ डौ डौ नौ पौ फौ
औ औ टै टै ठौ ठौ डौ डौ नौ पौ फौ

व व म म य र ल व श ष स ह क्ष क ज
वा वा मा मा या या रा रा ला ला वा वा शा शा ष ष स स ह ह क्ष क्ष क क ज
वि वि मि मि यि यि रि रि लि लि वि वि शि शि षि षि सि सि हि हि क्षि क्षि जि जि ञि ञि
वी वी मी मी यी यी री री ली ली वी वी शी शी षी षी सी सी ही ही क्षी क्षी जी जी ञी ञी
वु वु मु मु यू यू रु रु लु लु वु वु शु शु षु षु सु सु हु हु क्षु क्षु कु कु ञु ञु
वू वू मू मू यू यू रु रु लू लू वू वू शू शू षू षू सू सू हू हू क्षू क्षू कु कु ञू ञू
वे वे मे मे ये ये रे रे ले ले वे वे शे शे वे वे से से हे हे के के जे जे
वै वै मे मे ये ये रे रे ले ले वै वै शै शै वै वै से से है है के के जे जे
वो वो मो मो यो यो रो रो लो लो वो वो शो शो वो वो सो सो हो हो क्षो क्षो जो जो ञो ञो
वं वं मं मं यं यं रं रं लं लं वं वं शं शं वं वं सो सो हो हो क्षो क्षो जो जो ञो ञो
व वं मं मं यं यं रं रं लं लं वं वं शं शं वं वं सो सो हो हो क्षो क्षो जो जो ञो ञो

पाठ—१ (पाठ—१)

दो अक्षरों का मेल (दोई अक्षरों मिलन)

अव (अव) — এখন।	कव (कव) — कখন।	तव (तव) — तখন।
जव (जव) — যখন।	कह (कह) — বল।	रख (रख) — রাখ।
मत (मत) — না।	वन (वन) — ইও।	फल (फल) — ফল।
दस (दस) — দশ।	चल (चल) — চলা।	हल (हल) — লাঙ্গল।
डर (डर) — ভয়।	छत (छत) — ছাদ।	पर (पर) — উপরে।

वाक्य रचना (वाक्य रचना)

- * फल चख । (फल चख) — ফল খাও। घर चल । (घर चल) — ঘরে চল।
 रस रख । (रस रख) — রস রাখো। अब चल । (अब चल) — এখন চলो।
 डर मत कर । (डर मत कर) — ভয় করিও না।
 छत पर मत चढ़ । (छत पर मत चढ़) — छাদের ওपर चढ़िও ना।

तीन अक्षरों का मेल (तीन अक्षरों मिलन)

* अलग (अलग) — পৃথক	* सबक (सबक) — পাঠ	सड़क (सड़क) — पथ
* डगर (डगर) — খাল	* कमल (कमल) — পদ্ম	* मगर (मगर) — किछु
वहन (वहन) — বোন	शरम (शरम) — লজ্জা	रबड़ (रबड़) — रदार
बढ़ई (बढ़ई) — छुतार	खबर (खबर) — संवाद	मदद (मदद) — साहाय्य

वाक्य रचना (वाक्य रचना)

- * नमक रख । (नमक रख) — नमক রাখ।
 सड़क पर चल । (सड़क पर चल) — पथের উপर চলो।
 नगर चल । (नगर चल) — शहरे चलो।
 अब डगर पर चल । (अब डगर पर चल) — এখন खाले चल।
 * कमल पकड़ । (कमल पकड़) — पদ্म ফুল ধরো।
 शरम मत कर । (शरम मत कर) — लज्जा करिও ना।

चार अक्षरों का मेल (चार अक्षरों मिलन)

- खटमल (खटमल) — छारपोका। * नटखट (नटखट) — दूँट

बरगद (बरगद) — बटगाछ	लगभग (लगभग) — प्रायः
वचपन (वचपन) — बाल्यकाल	कटहल (कटहल) — काँठाल
पलटन (पलटन) — सेना	कसरत (कसरत) — व्यायाम
वरतन (वरतन) — वासन	झटपट (झटपट) — ताड़ताड़ि

वाक्य रचना (वाक्य रचना)

- झटपट चल । (झटपट चल) — ताड़ताड़ि चलो।
 बरगद पर मत चढ़ । (बरगद पर मत चढ़) — बटगाछे चढ़िও ना।
 नटखट मत बन । (नटखट मत बन) — दूँट इइओ ना। *
 खटमल मत पकड़ । (खटमल मत पकड़) — छारपोका धरिও ना।
 कटहल चख । (कटहल चख) — काँठाल खाओ।
 पलटन बन । (पलटन बन) — सैनिक इओ।
 शलगम रूढ़ । (शलगम रूढ़) — शालगम राखो।
 अब कसरत कर । (अब कसरत कर) — এখন ব্যায়াম करो। *

मात्राओं का प्रयोग (मात्राओं का प्रयोग)

आ-का मेल (आ-कार योग)

आ = अ + क + आ = का (का)

नया (नया) — नई	आग (आग) — आग	* इयाद (इयाद) — अरग
काम (काम) — काम	आप (आप) — आप	बड़ा (बड़ा) — बड़ा
आम (आम) — आम	पका (पका) — पका	* सड़ा (सड़ा) — पठा
दवा (दवा) — दवा	चाचा (चाचा) — दादा	नाना (नाना) — दादा
तलास (तलास) — तलास	वछड़ा (वछड़ा) — बाहुर	
आपका (आपका) — आपका	* अनार (अनार) — डालि	
कपड़ा (कपड़ा) — कपड़ा	कलाई (कलाई) — कव्जी	
जवड़ा (जवड़ा) — जोरान	खरहा (खरहा) — खरगोस	
चमड़ा (चमड़ा) — चमड़ा	* सामान (सामान) — जिनिसपत्र	
ताकतवर (ताकतवर) — शक्तिमान	नमकहाराम (नमकहाराम) — अकृतज्ञ	
तनावर (तनावर) — तनावर	नासपाती (नासपाती) — नासपाती	

বাক্য রচনা (বাক্য রচনা)

নয়া কপড়া পহন। (নয়া কপড়া গহন।) — নতুন কাপড় পরো।
 আপ कहाँ था? (आग कहाँ था?) — आपनि कोठाय ছিলেন?
 आग मत जाल। (आग मत जान।) — আগুন ছেলো না।
 सामान ला। (सामान ला।) — জিনিসপত্র আন।
 दवा खा। (दवा खा।) — ঔষধ খাও।
 चाचा आया। (चाचा आया।) — चाचा এসেছেন।
 नाना आया था। (नाना आया था।) — दादासाई এসেছিলেন।
 लड़का चला गया। (लड़का चला गया।) — ছেলেটি চলে গেছে।
 सवाल मत कर। (सवाल मत कर।) — প্রশ্ন করিও না।
 सवाल का जवाब दिया। (सवाल का जवाब दिया।) — প্রশ্নের উত্তর দিয়েছে।

इ-का मेल (इ-कार योग)

इ = कि + इ = कि (कि)

सिर (सिर) - माथा	फिर फिर - आबार	दिल (दिल) - हृदय
हारिज (हारिज) - उपश्रित	चिड़िया (चिड़िया) - পাখী	
किताब (किताब) - বই	तकिया (तकिया) - बालिश	
सितार (सितार) - সেতার	सितारा (सितारा) - नक्षत्र	
दिमाग (दिमाग) - मस्तिष्क	किसान (किसान) - कृषक	
किधर (किधर) - কোনদিকে	नाविक (नाविक) - मारि	
गिरगिट (गिरगिट) - गिरगिट	सरिता (सरिता) - नदी	
मालकिन (मालकिन) - प्रभुपत्नी	नावालिग (नावालिग) - नाबालिका	
तबियत (तबियत) - शरीर	नारियल (नारियल) - नारकेल	

বাক্য রচনা (বাক্য রচনা)

तालाब छिछला था। (तालाब छिछला था।) — প্রকুরটি গভীর ছিল।
 दिल लगाकर पढ़। (दिल लगाकर पढ़।) — মন দিয়ে পড়ো।
 लिफाफा ला। (लिफाफा ला।) — খাফ আনো।
 नारियल खा। (नारियल खा।) — নারকেল খাও।

किसान जाता था। (किसान जाता था।) — কৃষকটি যাচ্ছিল।
 बछड़ा वहाँ था। (बछड़ा वहाँ था।) — বাছুরটি ওখানে ছিল।
 छतपर चिड़िया था। (छतपर चिड़िया था।) — ছাদের ওপর পাখী ছিল।
 आवाज मत कर। (आवाज मत कर।) — শব্দ করিও না।
 मिता कमरा साफ कर। (मिता कमरा साफ कर।) — মিটা ঘর পরিষ্কার কর।

ई-का मेल (इ-कार योग)

दीप (दीप) - बाति	खीरा (खीरा) - शशा	माली (माली) - माली
हाथी (हाथी) - हाती	पानी (पानी) - जन	तीस (तीस) - त्रिंश
सभी (सभी) - समस्त	कभी (कभी) - कथन	दही (दही) - दै
विमारी (विमारी) - असुख		जवानी (जवानी) - युवती
गीदड़ (गीदड़) - शकून		वकरी (वकरी) - शगी
पपीहा (पपीहा) - पापिया		तितली (तितली) - प्रजापति
पपीता (पपीता) - पेपे		कड़ाही (कड़ाही) - कड़ाई
जानकी (जानकी) - जीता		छिपकली (छिपकली) - टिकटिक
नजदीक (नजदीक) - निकटे		मजहबी (मजहबी) - धार्मिक
सुनहली (सुनहली) - सोनली		गाड़ीवान (गाड़ीवान) - गाड़ोयान

बक्य रचना (बक्य रचना)

खीरा ला। (खीरा ला।) — शशा आनो। पानी पी। (पानी पी।) — जन था।
 लड़की गाना गाती थी। (लड़की गाना गाती थी।) — मेरेटि गान गाईছিল।
 तितली उड़ती थी। (तितली उड़ती थी।) — प्रजापति उड़ছিল।
 बीणा विमारी थी। (बीणा विमारी थी।) — बीणा असुख ছিল।
 जीवन बाबु मजहबी आदमी था। (जीवन बाबु मजहबी आदमी था।) — जीवन बाबু धार्मिक लोक ছিলেন।
 पपीहा नजदीक उड़ती थी। (पपीहा नजदीक उड़ती थी।) — पापिया काछई उड़ছিল।

गाड़ीवान गाड़ी चलाता था। (गाड़ीवान गाड़ी चलाता था।) — गाड़ोयान गाड़ी চলাচ্ছিল।
 रीना पपीता खरिदा था। (रीना पपीता खरिदा था।) — रीना পেপে কিনেছিল।

উ-কা মেল (উ-কার যোগ)

উ = ু ক + উ = কু

কুচ (কুছ)—কিছু	খুদ (খুদ্)—নিজে	গুফা (গুফা)—গুহা
তুম (তুম)—তুমি	বুরা (বুরা)—মন্দ	দুন্ (দুন্)—লেখ
বগুলা (বগুলা)—বক	গুলাব (গুলাব)—গোলাপ	লুহার (লুহার)—কামার
তুম্হারা (তুম্হারা)—তোমার	সুনার (সুনার)—স্বর্ণকার (স্ন্যাকরা)	
পুরানা (পুরানা)—পুরাতন	কুহরা (কুহরা)—কুয়াশা	
সুঅর (সুঅর)—শুকর	বাদুল (ওয়াবুল)—বাবলা গাছ	
খুরদস (খুরদরা)—খারালো	থকাহুআ (থকাহুআ)—পরিশ্রান্ত	

বাক্য রচনা (বাক্য রচনা)

অব কুচ খা। (অব কুছ খা।)—এখন কিছু খাও।

বুরা কাম মত কর। (বুরা কাম মত কর।)—মন্দ কাজ করো না।

লুহার কাম করতা থা। (লুহার কাম করতা থা।)—কামার কাজ করছিল।

সুনার সড়ক পর জাতা থা। (সুনার সড়ক পর জাতা থা।)—স্ন্যাকরা পথের

ওপর দিয়ে যাচ্ছিল।

কাল গুরুবার থা। (কাল গুরুওয়ার থা।)—কাল বৃহস্পতিবার ছিল।

কমরা बहुत পুরানা থা। (কমরা बहुत পুরানা থা।)—ঘর খুব পুরাতন ছিল।

গুলাম সামান লায়া। (গুলাম সামান লায়া।)—চাকর জিনিসপত্র এনেছে।

সুনার গহনা লায়া। (সুনার গহনা লায়া।)—স্ন্যাকরা গয়না এনেছে।

ऊ-কা মেল (উ-কার যোগ)

ऊ = ू क + ऊ = कु

চুহা (চুহা)—ইদুর	মুসা (মুসা)—নেগটি ইদুর জুতা (জুতা)—জুতো
মুলা (মুলা)—দোলনা	ফুফা (ফুফা)—পিসে
মুলী (মুলী)—মূলো	সুস (সুস)—শুগর
সুরজ (সুরজ)—সূর্য	ऊन (ऊन)—উল
কপূর (কপূর)—কপূর	रुई (रुई)—তুলো
खजूर (खजूर)—খজুর	पालतू (पालतू)—পোষা
वातूनी (वातूनी)—বাচাল	भूखा (भूखा)—ক্ষুধার্ত
	खजूर जरूर (खजूर जरूर)—অবশ্য
	तू (तू)—তই

বাক্য রচনা (বাক্য রচনা)

ভালুওয়ালা ভালু নাচাতা। (ভালুওয়ালা ভালু নাচাতা।)—ভালুকওয়ালো ভালুক নাচাচ্ছে।

চাকু মত পকড়। (চাকু মত পকড়।)—চাকু ধরো না।

সুরজ নিকলা। (সুরজ নিকলা।)—সূর্য উঠেছে।

কমরা में চুহা থা। (কমরা में চুহা থা।)—ঘরে ইদুর ছিল।

দুকান जरूर जा। (दुकान जरूर जा।)—অবশ্যই দোকানে যাও।

জুতা पहन। (जूता पहन।)—জুতো পর।

কিতাব পড়না শুরু কর। (कितাব पढ़ना शुरू कर।)—বই পড়তে আরম্ভ কর।

বাতুনী মত বন। (वातूनी मत् बन्।)—বাচাল হয়ে না।

भूखा आदमी खड़ा था। (भूखा आदमी खड़ा था।)—ক্ষুধার্ত লোকটি দাঁড়িয়েছিল।

मीरा कपूर लायी। (मीरा कपूर लायी।)—মীরা কপূর এনেছে।

लड़की झूला झूलती थी। (लड़की झूला झूलती थी।)—মেয়েটি দোলার দুলছিল।

कृ-কা মেল (কৃ-কার যোগ)

कृ = ृ क + कृ = कृ

कृश (कृश)—রোগা	तृण (तृण)—ঘাস	धृत (धृत)—ধরা।
कृपा (कृपा)—দয়া	नृप (नृप)—রাজা	मृग (मृग)—শরিণ।
घृत (घृत)—ঘি	गृह (गृह)—ঘর	कृत (कृत)—করা
कृषक (कृषक)—চাষী	कृपण (कृपण)—কৃপণ	वृषभ (वृषभ)—বাঁহ
मृदंग (मृदंग)—মৃদঙ্গ	पृथक् (पृथक्)—আলাদা	सदृश (सदृश)—সমান

বাক্য রচনা (বাক্য রচনা)

कृषक हल चलाता था। (कृषक हल चलाता था।)—কৃষক লাঙ্গল করছিল।

हृदय सामान लाया। (हृदय सामान लाया।)—হৃদয় জিনিসপত্র এনেছে।

गरीब पर कृपा कर। (गरीब पर कृपा कर।)—গরীবের প্রতি দয়া কর।

ऋण मत कर। (ऋण मत् कर।)—ঋণ করো না।

कृपाण पकड़। (कृपाण पकड़।)—তলোয়ার ধরো।

गृह बड़ा था। (गृह बड़ा था।)—ঘরটি বড় ছিল।

मृग आया था । (मृग आया था।) — हरिण এসেছিল।
कृपानाथ आया था । (कृपानाथ आया था।) — कृपानाथ এসেছিল।

ए-का मेल (ए-कार योग)

ए = क + ए = के

खेत (खेत) — ज़मी	खेला (खेला) — खेला	चेला (चेला) — शिष्या
मेला (मेला) — मेला	केला (केला) — कला	सेब (सेब) — आपल
पेड़ (पेड़) — गाछ	मेरा (मेरा) — आमार	शेर (शेर) — बाघ
बेटी (बेटी) — मेर्या	छेना (छेना) — छाना	मेज (मेज) — टेबिल
उसके (उसके) — तार	सवेरा (सवेरा) — सकाल	सहेली (सहेली) — साथी
हमेशा (हमेशा) — प्रायः	सफेद (सफेद) — सादा	मेढक (मेढक) — ब्याङ
नेवला (नेवला) — नेडल	भेड़िया (भेड़िया) — चाँकशियाल	
बेवकूफ (बेवकूफ) — बोक	मेहतर (मेहतर) — मेथर	
मेहेरबानी (मेहेरबानी) — कृपा	बेईमान (बेईमान) — बिश्वासवातक	

वाक्य रचना (वाक्य रचना)

पेड़ पर अजगर था । (पेड़ पर अजगर था।) — गाछेर उपर अजगर छिल।
बाजार से केला लाया । (बाजार से केला लाया।) — बाजार थेके कला एनेछे।
मेज पर किताब रख । (मेज पर किताब रख।) — टेबिलेर ओपर बइ राख।
सवेरा हुआ । (सवेरा हुआ।) — सकाल हयैछे।
हमारा चेला आम लाया । (हमारा चेला आम लाया।) — आमार निषा आम एनेछे।
डेरा पर चल । (डेरा पर चल।) — बसार् चलो।
रेल पर सफर कर । (रेल पर सफर कर।) — रेले अमण कर।
वह हमेशा आता है । (वह हमेशा आता है।) — से, प्रायः आसे।

ऐ-का मेल (ऐ-कार योग)

ऐ = क + ऐ = कै

कैसा (कैसा) — केमन	कैद (कैद) — जेलखाना	कैची (कैची) — काँचि
खैरी (खैरी) — खयरी	गैती (गैती) — गाँति	पैर (पैर) — पा
जैसा (जैसा) — येमन	जैता (जैता) — ऐ रकम	

सैर (सैर) — अमण
मैं (मैं) — आमी
वैगन (वैगन) — बेगन
जैतून (जैतून) — जलपाई
पैजनी (पैजनी) — नूपूर

वैल (वैल) — वनद
मैना (मैना) — मयना
तैरना (तैरना) — साँतार देओया
गवैया (गवैया) — गायक
बेचैन (बेचैन) — अज्जान

वाक्य रचना (वाक्य रचना)

पैदल चल । (पैदल चल।) — ईँटे चलो।
मैदान में सैर कर । (मैदान में सैर कर।) — माँटे बेडाओ।
वैल घास खाता है । (वैल घास खाता है।) — वनदटि घास खाछे।
शैलेन तैरता है । (शैलेन तैरता है।) — शैलेन साँतार दिछे।
कैची से काटा है । (कैची से काटा है।) — काँचि दिसे केछे।
पेड़ पर मैना बैठी थी । (पेड़ पर मैना बैठी थी।) — गाछे मयना बसेछिल।
वैगन ला । (वैगन ला।) — बेगन आनो।
दैनिक अखबार पढ़ो । (दैनिक अखबार पढ़ो।) — दैनिक संवादपत्र पढ़।

ओ-का मेल (ओ-कार योग)

ओ = क + ओ = को

ओर (ओर) — दिक्	लोग (लोग) — लोक	रोज (रोज) — थताह
मोर (मोर) — मयूर	गोह (गोह) — गोसाप	रोटी (रोटी) — कूटि
होंठ (होंठ) — ठाँठ	कोठी (कोठी) — बाड़ी	धोड़ा (धोड़ा) — अम
धोबी (धोबी) — धोपा	घोड़ा (घोड़ा) — घोड़ा	छोटा (छोटा) — छोट
ऊनको (ऊनको) — ताहाके	हसको (हसको) — इहाके	
हमको (हमको) — आमाके	भोतरा (भोतरा) — भोता	
टोकरी (टोकरी) — बुड़ि	कोहार (कोहार) — कुमार	
पतोहू (पतोहू) — पूत्रवधू	खोपड़ी (खोपड़ी) — माथार खुनि	
रसोइया (रसोइया) — रसोइया	डरपोक (डरपोक) — डीठ	

वाक्य रचना (वाक्य रचना)

धोबी कपड़ा काचता था । (धोबी कपड़ा काचता था।) — धोपा कापड़ काचिछिल।

वह रोटी खाता है । (उयह् रोटि खाता हाय ।) — से कूटि खाछे ।
मोर नाच रहा है । (मोर नाच रहा हाय ।) — मयूर नाछे ।
वहाँ एक लोमड़ी थी । (उयहाँ एक लोमड़ी थी ।) — उथाने एकटि खैकशियाल
हिन ।

मोहन का छोटा भाई आया । (मोहन का छोटो भाई आया ।) — मोहनर
छोटो भाई एसेछे ।

चिड़िया बोल रही है । (चिड़िया बोल रही हाय ।) — पाखी डाकछे ।

एक टोकरी लाओ । (एक टोकरी लाओ ।) — एकटि बुड़ि आनो ।

वह कैची भीथरा था । (उयह् कायसी भीथरा था ।) — ऐ कैंचिटि ठौताहिन ।

औ-का मेल (उ-कार योग)

औ = ऌ क + औ = कौ ।

कौन (कउन) — के कौआ (कउआ) — काक और (अउर) — एवं
मौसा (मउसा) — मेसो पौधा (पउधा) — चारागाह जौ (जउ) — यव
नौ (नउ) — नय तौल (तउल) — उजन मौत (मउत) — मृत्यु
सौत (सउत) — सतीन नौका (नउका) — नौका चौक (चउक) — चमकानो
नौकर (नउकर) — चाकर औरत (अउरत) — स्त्रीलोक मौसम (मउसम) — ऋतु
खिलौना (खिलउना) — खेलना दौलत (दउलत) — धन-सम्पद
विछौना (विछउना) — विछाना सरौत (सरउता) — जांति
तौलिया (तउलिया) — तोय्याले फोलाद (फउलाद) — इस्पात ।
हथौड़ी (हथउड़ी) — शतृडि चौदह (चउदह) — चौद

वाक्य रचना (वाक्य रचना)

छत पर कौआ बैठा था । (छत पर कउआ बैठा था ।) — हासे काक बसेहिन ।
नौका पर सैर कर । (नउका पर स्यायर् कर ।) — नौकार भ्रमण कर ।
नौकर बजार गया । (नउकर बजार गया ।) — चाकर बाजार गेछे ।
मौसी खिलौना लायी । (मउसी खिलउना लायी ।) — मासी खेलना एनेछे ।
यह बरसात का मौसम है । (इयह् बरसात का मउसम हाय ।) — एटि बरसा
कतु ।

राम चौदह तारिख को आएगा । (राम चउदह तारिख को आएगा ।) — राम
चौदह तारिख आनवे ।

कौन दौलतपुर गया? (कउन् दउलतपुर गया?) — के दौलतपुर गेछे?
लुहार हथौड़ी से काम करता था । (लुहार हथउड़ी से काम करता
था ।) — कामार शतृडि दिये काज करहिन ।

— का मेल (१ [अनुस्वार] - योग)

— क + = कं

कंधा (कन्धा) — चिकनी नंगा (नंगा) — उलस
भाजा (भान्जा) — भागने पंजा (पन्जा) — पाझा
चींटी (चींटी) — पिंपड़े चोंच (चोंच) — पाखीर ठोट
शंख (शन्ख) — शीथ मांस (मान्स) — मांस गुंगा (गुन्गा) — बोवा
पंखा (पन्खा) — पाखा गेंडा (गेन्डा) — आख डंक (डन्क) — दंशन
लंगूर (लन्गूर) — बंदर पंडूक (पन्डूक) — पानकौड़ि
झींगुर (झीन्गुर) — बिबिपोका लंगड़ा (लंगड़ा) — खौड़ा
अंगूर (अन्गूर) — आसुर अंघेरा (अन्घेरा) — अक्कार
पंखुड़ी (पन्खुड़ी) — पापड़ि डंठल (डन्ठल) — बूझ
तुरंत (तुरन्त) — ताड़ताड़ि महंगा (महन्गा) — दाम्नी
शकरकंद (शकरकन्द) — राड्डीआलु सतरंज (सतरन्ज) — दावाखेला

वाक्य रचना (वाक्य रचना)

लाल रंग का फूल लाओ । (लाल रंग का फूल लाओ ।) — लाल रंगेर फूल
आनो ।

गेंदा पीला रंग का होता है । (गेन्दा पीला रंग का होता हाय ।) — गौदा
हलदे रंगेर हय ।

जंगल में गेंडा था । (जन्गल् में गायन्डा था ।) — जसले गंगार हिन ।

लंगड़ा आदमी खड़ा था । (लंगड़ा आदमी खड़ा था ।) — खौड़ा लोकटि
दाँडियेहिन ।

दंगा मत कर । (दन्गा मत कर ।) — दासा कोर ना ।

कल मंगलवार था । (कल् मन्गल्वार था ।) — काल मंगलवार हिन ।

गुलाब का पंखुड़ी लाल था । (गुलाब का पन्खुड़ी लाल था ।) — गोलाबेर
पापड़ि लाल हिन ।

অন্ধেরা হুজা । (অন্ধেরা হুজা)।—অন্ধকার হয়েছে।

তুরন্ত সামান রখ । (তুরন্ত সামান রখ)।—তাড়াতাড়ি জিনিসপত্র রাখো।
হঁস সফেদ হোতা হৈ । (হঁস সফেদ হোতা হৈ)।—হাঁস সাদা হয়।

কা মেল ([छन्दविन्दु] - যোগ)

—ক + ং = কঁ

আঁখ (আঁখ) — চক্ষু	কহাঁ (কহাঁ) — কোথায়	আঁধী (আঁধী) — ঝড়
বহাঁ (ওয়হাঁ) — সেখানে	মুঁহ (মুঁহ) — মুখ	ভাঁহ (ভঁওয়হ) — জা
গেহুঁ (গেহুঁ) — গম।	জাঁঘ (জাঁঘ) — জানু	সাঁড় (সাঁড়) — সাঁড়
গাঁব (গাঁও) — গ্রাম	জঁট (জঁট) — উট	সাঁফ (সাঁফ) — মৌরী
কুআঁ (কুআঁ) — কুয়া	সাঁঙ্গ (সাঁঙ্গ) — সঙ্কট	তাঁবা (তাঁওয়া) — তামা
কুআরী (কুআরী) — কুমারী	গঁবার (গঁওয়ার) — গঁওয়ার	
হঁসুআ (হঁসুআ) — কাটারি	ভুঁকনা (ভুঁকনা) — কুকুরের ডাক	
আঠবাঁ (আঠওয়াঁ) — অষ্টম	কাঁপল (কাঁপল) — মুকুল	
গেহুঁঅন (গেহুঁঅন) — গোথরো সাপ	এঁচাতানা (এঁচাতানা) — টেরা	

বাক্য রচনা (বাক্য রচনা)

আপ কহাঁ সে আয়া ? (আপ কহাঁ সে আয়া ?) — আপনি কোথা থেকে এলেন ?

বহাঁ এক লড়কী বৈঠী থী । (ওয়হাঁ এক লড়কী ব্যাঠী থী) — সেখানে একটি মেয়ে বসেছিল।

তাঁবা এক ধাতু হৈ । (তাঁবা এক ধাতু হ্যায়) — তামা একটি ধাতু।

চাঁদ নিকলা হৈ । (চাঁদ নিকলা হ্যায়) — চাঁদ উঠছে।

झाड़ी में गेहूँअन साँप है । (ঝাড়ী মেন্ গেহুঁঅন সাঁপ হ্যায়) — ঝোপে গোথরো সাপ আছে।

आठवाँ पाठ पढ़ो । (আঠওয়াঁ পাঠ পড়ো) — অষ্টম পাঠ পড়।

रामू एक गँवार आदमी है । (রামু এক গঁওয়ার আদমী হ্যায়) — রামু একটি গঁওয়ার লোক।

दुकान से साँफ लाओ । (দুকান্ সে সাঁফ্ লাও) — দোকান থেকে মৌরী আনো।

आम का कौपल आया । (আম কা কোঁপল্ আয়া) — আমের মুকুল এসেছে।

কা মেল ([विमर्ग] - যোগ)

: — ক + : = ক:

छः (ছহ) — ছয়	अतः (অতহ) — অতএব	पुनः (পুনহ) — আবার
तपः (তপহ) — তপস্যা	नमः (নমহ) — প্রণাম	अधः (অধহ) — নিম্নদিগ
दुःखी (দুখখী) — দুঃখী	दुःसह (দুসহ) — দুঃসহ	
दःशासन (দুশাসন) — দুঃশাসন	निःसहाय (নিহসহায়) — সহায়হীন	

বাক্য রচনা (বাক্য রচনা)

दरवाजे पर दुःखी आदमी खड़ा है । (দরওয়াজে পর দুঃখী আদমী খড়া হ্যায়) — দরজায় দুঃখী লোকটি দাঁড়িয়ে আছে।

एक बात पुनः पुनः मत बोलो । (এক বাত পুনহ পুনহ মত বোলো) — এক এক বার বার বোলো না।

दुःख में धीरज रखो । (দুখ মেন্ ধীরজ রখো) — দুখে ধৈর্য ধরো।

कल छः तारीख है । (কল ছহ তারিখ হ্যায়) — কাল ছয় তারিখ।

दुःखी कौरव थे । (দুঃশাসন কওরবর থে) — দুঃশাসন কৌরব ছিলেন।

योगी तपः करता था । (ইয়োগী তপহ কর্তা থা) — যোগী তপস্যা করছিলেন।

अतः तुम कल आना । (অতহ তুম্ কল্ আনা) — অতএব তুমি কাল আসবে।

पाठ—२ (পাঠ—২)

छोटे छोटे वाक्य (ছোট ছোট বাক্য)

मैं अभी आ रहा हूँ । (মায়্ অভী আ রহা হুঁ) — আমি এখনই আসছি।

जैसी आपकी मर्जी । (জ্যায়সী আপকী মর্জী) — যেমন আপনার ইচ্ছা।

और कुछ ? (অওর্ কুখ্ ?) — আর কিছু ?

नहीं, कभी नहीं । (নহী, কভী নহী) — না, কখনও নয়।

इसे आपनी चीज ही समझें । (ইসে আপনী চীজ্ হী সমঝেঁ) — একে নিজের জিনিস বলেই মনে করবেন।

साफ कीजिए, मुझे देर हो गई । (সাফ কীজিএ, মুঝে দের হো গই) — সাফ করুন, আমার দেরী হয়ে গেছে।

अपने काम में मेरी मदद ले लीजिए । (आपने काम में मेरी मदद ले लीजिए)।—आपনার কাজে আমার সাহায্য নিন।

आप थोड़ा खिसकेंगे ? (आप थोड़ा खिसकेंगे)।—आपनि एकটু সরবেন।
बड़े दुःख का समाचार । (बड़े दुःख का समाचार)।—बड़े दुःखের সংবাদ।
फटाफट करिए । (फटाफट करिए)।—ताड़ताड़ि करन।

कितने अपमान की बात है ! (कितने अपमान की बात है)।—कि
অপমানের কথা।

उसकी इतनी हिम्मत ? (उसकी इतनी हिम्मत)।—তার এতো নাহস?

नगवान को लाख शुक है । (नगवान को लाख शुक है)।—ভগবানকে
লক্ষবার ধন্যবাদ।

इधर आओ । (इधर आओ)।—এদিকে এসো।

उधर देखो । (उधर देखो)।—ওদিকে দেখ।

पास आओ । (पास आओ)।—কাছে এসো।

उपर जाओ । (उपर जाओ)।—ওপরে যাও।

धीरे चलो । (धीरे चलो)।—धीरे হাঁটো।

तुरंत आओ । (तुरंत आओ)।—ताड़ताड़ि এসো।

तैयार हो जाओ । (तैयार हो जाओ)।—প্রস্তুত হয়ে পড়ো।

मत भूलो । (मत भूलो)।—ভুলো না।

मुझे मत सताओ । (मुझे मत सताओ)।—আমাকে কষ্ট দিও না।

फिर कोशिश करो । (फिर कोशिश करो)।—আবার চেষ্টা কর।

वह कभी कभी यहाँ आता है । (वह कभी कभी यहाँ आता है)।—সে
কখনও কখনও এখানে আসে।

यही किताब मुझे चाहिए । (यही किताब मुझे चाहिए)।—এই বই আমার
চাই।

रमला उसी किताब को पढ़ रही है ? (रमला उसी किताब को पढ़ रही है)।—রমলা এই বইটিই পড়ে?

नहीं, वह दूसरी किताब है । (नहीं, वह दूसरी किताब है)।—না, ওটা
অন্য বই।

राम कल आएगा । (राम कल आएगा)।—রাম কাল আসবে।

तुम कहाँ जाओगे ? (तुम कहाँ जाओगे)।—তুমি কোথায় যাবে?
आज मैं हंगली जाऊंगा । (आज मैं हंगली जाऊंगा)।—আজ আমি হুগলী
যাবো।

तुम भी हमारा साथ जाओगे ? (तुम भी हमारा साथ जाओगे)।—তুমিও
আমার সঙ্গে যাবে?

पतोहू कब आयी ? (पतोहू कब आयी)।—পতাবধু কবে এসেছে?

अब अंधेरा हो गयी । (अब अंधेरा हो गयी)।—এখন অন্ধকার হয়ে গেছে।

स्वपन सुबह उठता है । (स्वपन सुबह उठता है)।—স্বপন সকালে ওঠে।

नरेश पिताजी का बात मानता है । (नरेश पिताजी का बात मानता है)।—নরেশ পিতাজী
কা বাত মানতা হৈ।

श्रीला माताजी की बात मानती है । (श्रीला माताजी की बात मानती है)।—শ্রীলা
মাতাজী কী বাত মানতী হৈ।

श्रीला मातेर कथा शोने।

पाठ — ३ (पाठ — ३)

युक्ताक्षर (युक्ताक्षर)

हिन्दी वर्णमालার ব্যঞ্জনবর্ণগুলিকে তিনটি শ্রেণীতে ভাগ করা হয়েছে। (১) শেষে
দাঁড়ি যুক্ত বর্ণ, (২) মাঝে দাঁড়িযুক্ত বর্ণ এবং (৩) দাঁড়ি বিহীন। এদের মধ্যে শেষে

দাঁড়িযুক্ত বর্ণ হলো—ख, ग, न ইত্যাদি।

মাঝে দাঁড়িযুক্ত বর্ণগুলি হলো—क, झ এবং फ।

দাঁড়িবিহীন বর্ণগুলি হলো—छ, ट, व।

हिन्दी वर्णमालায় শেষে দাঁড়িযুক্ত বর্ণ হলো মোট একশটি। যেমন—ख, ग, घ, च,
ज, झ, ध, ण, ल, थ, न, प, ब, भ, म, य, ल, व, श, ष এবং स।

উপরোক্ত শেষে দাঁড়িযুক্ত বর্ণগুলির সঙ্গে অপর কোনও বর্ণ যুক্ত করতে হলে,
শেষের দাঁড়ি তুলে দিয়ে অন্য বর্ণ যুক্ত করতে হয়। যেমন—ख + त = खत, ग +

म = गम, च + च = चच, ज + छ = जछ, ण + ड = णड ইত্যাদি।

আবার যে সব ব্যঞ্জনবর্ণের মাঝে দাঁড়ি আছে, তাদের সংখ্যা মাত্র তিনটি; সে কথা
আগেই বলা হয়েছে। এর মধ্যে 'झ'-এর কোনও যুক্তাক্ষর হয় না। কেবলমাত্র फ

এক ফ'-এর যুক্তাকর হয়। আবার ফ'-এর মাত্র একটি, তাও আবার নিজের সঙ্গে যুক্ত হয়। এই দুটি ব্যঞ্জনবর্ণের শেষাংশ বাদ দিলে যুক্তাকর করতে হয়। যেমন—
ক+ক = ক্ক = পকা (পকা)—পাকা।

ক + য = ক্য — ক্যা (ক্যায়া)—কি

ক্যারী (কেয়ারী)—আল, সাজানো।

ক + ল = কল—কলেশ (কেশ)—কল কলাস (ক্লাস)—শ্রেণী।

ক + শ = কশ—নকশা (নকশা)—মানচিত্র।

ক + স = কস—নুকস (নুক্স)—ক্রটি।

ফ + ত = ফত—দফতর (দফতর)—অফিস।

দাঁড়ি বিহীন ব্যঞ্জনবর্ণ হলো, মোট—নয়টি! যেমন—ড, ঙ, ট, ব, ড, দ, হ এবং র।

এর মধ্যে 'র' ব্যঞ্জনবর্ণটি অন্যভাবে যুক্ত হয়ে থাকে। যেমন—'র' (র) যদি প্রথম বর্ণ হয়, তাহলে () রেফ আকারে পরিবর্তিত হয়ে পরবর্তী বর্ণের মাথায় বসে। যেমন—

র + ক = র্ক—তর্ক (তর্ক)—তর্ক

র + প = প—সর্প (সর্প)—সাপ।

র + ম = র্ম—শর্ম (শর্ম)—লজ্জা।

র + ব = র্ব—সর্ব (সর্ব)—সব

ফর্ক (ফর্ক)—তফাৎ

অর্পণ (অর্পণ)—দান করা।

পর্ব (পর্ব)—পর্ব।

গর্ব (গর্ব)—গর্ব।

আবার 'র' (র) দ্বিতীয় বর্ণ হলে শেষ ব্যঞ্জনবর্ণের নীচে () র-ফলা হয়ে যুক্ত হয়। এই র-ফলা দাঁড়িযুক্ত বর্ণের সঙ্গে নিম্নরূপে যুক্ত হয়। যেমন—

ক + র = ক্র—চক্র (চক্র)—চাকা

ব + র = ব্র—ব্রত (ব্রত)—ব্রত

আবার এই র-ফলা দাঁড়িহীন ব্যঞ্জনবর্ণের সঙ্গে তীরের ফলার মতো নিচে যুক্ত হয়। যেমন—

দ + র = দ্র—ধ্রু (ধ্রু)—ড্র ট + র = ট্র—ট্রাম (ট্রাম)—ট্রামগাড়ী

আবার 'র' (র) আটটি দাঁড়িবিহীন ব্যঞ্জনবর্ণ অন্যান্য বর্ণের সঙ্গে নিম্নরূপে যুক্ত হয়। যেমন—

ড + ক = ড্ক = অঙ্ক (অঙ্ক) ড + খ = খ্খ—মাখ (মাখ)

ড + গ = ড্গ—গঙ্গা (গঙ্গা) চ + চ = চ্চ—মচ্চা (মচ্চা)—ভালো

ট + ট = ট্টি—পটী (পটী)—পটি খট্টা (খট্টা)—টক

ট + ঠ = ট্ঠ—চিট্ঠী (চিট্ঠী)—চিঠি ড + ড = ড্ড—গুড়ী (গুড়ী)—গুড়ি

ড + ঢ = ড্ঢ—বুড়া (বুড়া)—বুড়া ট + য = ট্য—নাট্য (নাট্য)—নাটক

ঠ + য = ঠ্য—পাঠ্য (পাঠ্য)—পাঠ দ + দ = দ্ধ—গদী (গদী)—গদী

দ + ব = দ্ব—দ্বার (দ্বার)—দরজা দ + ধ = দ্ধ—যুদ্ধ (ইয়ুদ্ধ)—যুদ্ধ

ল + য = ল্য—মাল্য (মাল্য)—মানা দ + ভ = ভ্ভ—উভব (উভব)—উভব

হ + ম = হ্ম—ব্রাহ্মণ (ব্রাহ্মণ)—ব্রাহ্মণি হ + ব = হ্ভ—জিহ্বা (জিহ্বা)—জিহ্বা

হ + র = হ্র—হ্রাস (হ্রাস) হ + য = হ্য—সেহ্য (সেহ্য)—লেহ

আবার কতকগুলি যুক্তাকর নিম্নরূপে লেখা হয়। যেমন—

ক + প = ক্প—পক্ষ (পক্ষ)—পক্ষ কক্ষা (কক্ষা)—শ্রেণী

জ + জ = জ্জ—জ্ঞান (গেয়ান)—জ্ঞান বিজ্ঞান (ওয়িগ্যান)—বিজ্ঞান

ত + র = ত্র—পাত্র (পাত্র)—পাত্র চাত্র (চাত্র)—ছাত্র

শ + র = শ্র—শ্রমিক (শ্রমিক)—শ্রমিক শ্রীমান (শ্রীমান)—শ্রীমান

যদি তিনটি ব্যঞ্জনবর্ণ একসঙ্গে যুক্ত হয়। তাদের যুক্তরূপ হয় নিম্ন প্রকার।

যেমন—

ঘ + ড + য = ড্ঘ্য—উল্ঘ্য (উল্ঘ্য)।

জ + জ + ব = জ্জব উজ্জবল (উজ্জবল)

ন + ধ + য = ন্ধ্য—সন্ধ্যা (সন্ধ্যা)—সন্ধ্যা

ন + ত + র = ন্ত্র—যন্ত্র (ইয়ন্ত্র)—যন্ত্র সম্ভ্রম (সম্ভ্রম)—সম্ভ্রম

প + ট + র = প্ট্র—রাষ্ট্র (রাষ্ট্র)—রাষ্ট্র

স + ত + র = স্ত্র—অস্ত্র (অস্ত্র)

পাঠ—৪ (পাঠ—৪)

ব্যবহারিক শব্দাবলী (ব্যবহার্য শব্দসমূহ)

আত্মীয় (আত্মীয়)

পিতা (পিতা)—বাবা

ভাই (ভাই)—ভাই

মাতা (মাতা)—মা

বহন (বহন)—বোন

छोटा भाई (छोटा भाई) -- छोटा भाई
छोटी बहन (छोटी बहन) -- छोटी बहन

बेटा (बेटा) -- बेटा

बाबा (बाबा) -- बाबा

दादा (दादा) -- दादा

ताऊ (ताऊ) -- ताऊ

बड़ा भाई (बड़ा भाई) -- बड़ा भाई

बड़ी बहन (बड़ी बहन) -- बड़ी बहन

नाना (नाना) -- नाना

मौसा (मौसा) -- मौसा

फूफा (फूफा) -- फूफा

भानजा (भानजा) -- भानजा

साधुर (साधुर) -- साधुर

साला (साला) -- साला

पोता (पोता) -- पोता, पोती, पोहि

पोती (पोती) -- पोती, पोती, पोहि

पताहू (पताहू) -- पताहू रिस्तेदार (रिस्तेदार) -- आशीश-बहन

बेटी (बेटी) -- बेटी

भाभी (भाभी) -- भाभी

दादी (दादी) -- दादी

ताई (ताई) -- ताई

भाभी (भाभी) -- भाभी

जीजाजी (जीजाजी) -- जीजाजी

नानी (नानी) -- नानी

मौसी (मौसी) -- मौसी

फूफा (फूफा) -- फूफा

भानजी (भानजी) -- भानजी

सास (सास) -- सास

दामाद (दामाद) -- दामाद

शरीर के अंग (शरीर के अंग)

देह के अंग-प्रत्यंग

बदन (बदन) -- बदन

गरदन (गरदन) -- गरदन

दिमाग (दिमाग) -- दिमाग

भौंह (भौंह) -- भौंह

नाक (नाक) -- नाक

गाल (गाल) -- गाल

कन्धा (कन्धा) -- कन्धा

स्तन (स्तन) -- स्तन

सिर (सिर) -- सिर

खोपड़ी (खोपड़ी) -- खोपड़ी

आँख (आँख) -- आँख

बाल (बाल) -- बाल

कान (कान) -- कान

होंठ (होंठ) -- होंठ

छाती (छाती) -- छाती

फेफड़ा (फेफड़ा) -- फेफड़ा

हृदय (हृदय) -- हृदय

घाँघ (घाँघ) -- घाँघ

छेत्ती (छेत्ती) -- छेत्ती

कुम्भी (कुम्भी) -- कुम्भी

पेट (पेट) -- पेट

जाँघ (जाँघ) -- जाँघ

कमर (कमर) -- कमर

हड्डी (हड्डी) -- हड्डी

नाखून (नाखून) -- नाखून

एड़ी (एड़ी) -- एड़ी

फल (फल) -- फल

आम (आम) -- आम

आँवला (आँवला) -- आँवला

केला (केला) -- केला

फटहल (फटहल) -- फटहल

खजूर (खजूर) -- खजूर

जैतून (जैतून) -- जैतून

पपीता (पपीता) -- पपीता

नींबू (नींबू) -- नींबू

सतरा (सतरा) -- सतरा

सवेदा (सवेदा) -- सवेदा

खीरा (खीरा) -- खीरा

फूल (फूल) -- फूल

गुलाब (गुलाब) -- गुलाब

कनेर (कनेर) -- कनेर

चम्पा (चम्पा) -- चम्पा

कोपल (कोपल) -- कोपल

रोड़ (रोड़) -- रोड़

हाथ (हाथ) -- हाथ

बलार्द (बलार्द) -- बलार्द

ऊंगली (ऊंगली) -- ऊंगली

पैर (पैर) -- पैर

घुटना (घुटना) -- घुटना

नितम्ब (नितम्ब) -- नितम्ब

जस (जस) -- जस

पलक (पलक) -- पलक

खून (खून) -- खून

अंगूर (अंगूर) -- अंगूर

अमरुद (अमरुद) -- अमरुद

किसमिस (किसमिस) -- किसमिस

खरबूजा (खरबूजा) -- खरबूजा

जामुन (जामुन) -- जामुन

तरबुज (तरबुज) -- तरबुज

नासपाती (नासपाती) -- नासपाती

सेब (सेब) -- सेब

सीताफल (सीताफल) -- सीताफल

लीचु (लीचु) -- लीचु

गेन्दा (गेन्दा) -- गेन्दा

कमल (कमल) -- कमल

जूही (जूही) -- जूही

गेन्दा (गेन्दा) -- गेन्दा

पंखुड़ी (पंखुड़ी) -- पंखुड़ी

गाछ (गाइ)—गाइ

पौधा (पौधा)—चारागाइ

पत्ता (पत्ता)—पाता

पिपल (पिपल)—अमर गाइ

बाबूल (बाबूल)—बाबूना गाइ

पेड़ (पेड़)—बड़ गाइ

डाल (डाल)—शाखा

जड़ (जड़)—शिकड़

बन्द (बरगद)—बटगाइ

ताड़ का पेड़ (ताड़ का पेड़)—तानगाइ

चाय का पौधा (चाय का पौधा)—चा गाइ

नारियल का पेड़ (नारियल का पेड़)—नारिकेल गाइ

जानवर (जानवर)—जानोवार

गाय (गाय)—गाइ गरु

बछेड़ा (बछेड़ा)—बाछुर

भेड़िया (भेड़िया)—भेड़ा, मेव

बकरा (बकरा)—हाग

कुत्ता (कुत्ता)—कुकुर

बिल्ली (बिल्ली)—बेड़ान

सुंओर (सुंओर)—शुकर

हिरण (हिरण)—हरिण

खरहा (खरहा)—खरगोस

सिंघार (सिंघार)—शिंघाल

घोर (घोर)—बाघ

गैन्डा (गैन्डा)—गंडार

बूछा (बूछा)—बड़ इमूर

दौल (दौल)—बलद

बकरी (बकरी)—हागी

भैस (भैस)—महिब

घोड़ा (घोड़ा)—घोड़ा

कुतिया (कुतिया)—कुकुरी

गदहा (गदहा)—गाधा

उँट (उँट)—उँट

हाथी (हाथी)—हाती

नेवला (नेवला)—नेउल

लोमड़ी (लोमड़ी)—खैकशियान

भालू (भालू)—भालू

लंगूर (लंगूर)—गंदर

मूसा (मूसा)—नेरुटि इमूर

सरीसृप (सरीसृप)—सरीसृप

केंचुआ (केंचुआ)—केंटा

छिपकिली (छिपकिली)—टिकटिक

कछुआ (कछुआ)—कछप

बिच्छु (बिच्छु)—बिछा

साँप (साँप)—साप

गिरगिट (गिरगिट)—गिरगिट

गोह (गोह)—गोसाप

मेढक (मेढक)—बाड

पंछी (पंछी)—पाथी

पंछी, चिड़िया (पंछी, चिड़िया)—पाथी

कोयल (कोयल)—कोकिल

कठफोड़वा (कठफोड़वा)—काठठाकरा

वत्तक (वत्तक)—शंस

चमगादड़ (चमगादड़)—चमटिका

मोर (मोर)—मयूर

बगुला (बगुला)—बक

सुग्गा (सुग्गा)—टिया

पापीछा (पापीछा)—पापिया

कबुतर (कबुतर)—पायरा

कौआ (कौआ)—काक

वत्तकी (वत्तकी)—इंसी

गीध (गीध)—शकुन

मोरनी (मोरनी)—मयूरी

मैना (मैना)—मयना

तोता (तोता)—तोता

मछरंगा (मछरंगा)—माछराठा

रंग (रंग)—वर्ण

पीला

सफेद (सफेद)—साफा

लाल (लाल)—लाल

नारंगी (नारंगी)—नारंगी

भूरा (भूरा)—थकी

हरा (हरा)—सबूत

बैंगनी (बैंगनी)—बैंगनी

काला (काला)—कालो

गुलाबी (गुलाबी)—गोलाबी

नीला (नीला)—नील

पीला (पीला)—इलदे

सुनहला (सुनहला)—सोनानी

विविध वर्ण (विविध वर्ण)—विविध वर्ण

खार (खार)—खारा

मीटा (मीटा)—मिट्टी

चटपटा (चटपटा)—चट

खारा, नमकीन (खारा, नमकीन)—नमकीन

खट्टा (खट्टा)—टक

तीखा (तीखा)—तीक्ष्ण

कड़ुआ (कड़ुआ)—तिष्ठ, कटू

कीड़े-मकोड़े (कीड़े-मकोड़े)—कीट-पतंग

चींटी (चींटी)—मिपड़ा

खटमल (खटमल)—खरपोका

झींगुर (झींगुर)—बिबिपोका

तितली (तितली)—प्रदापति

मच्छर (मच्छर)—मशा

तेलचिट्टा (तेलचिट्टा)—आरुण

जुगनू (जुगनू)—झोनाकी

मकड़ी (मकड़ी)—माछि

मकड़ा (मकड़ा)—मकड़मा
फातिगा (फातिगा)—फातिग

भौरा (भौरा)—भौरा
मधु मक्खी (मधु-मक्खी)—मोम

तरकारियां (तरकारियां)—तरकारी

आलू (आलू)—आलू
देंगन (देंगन)—देंगन
चर्चीड़ा (चर्चीड़ा)—चिचिड़ा
भीण्डि (भीण्डि)—गंडन
घिया (घिया)—नाउ
टमाटर (टमाटर)—टमाटो
फुलगोभी (फुलगोभी)—फूलकपि
कुंडहा (कुंडहा)—कुमड़ा
प्याज (प्याज)—पेंग्राज
जदरक (जदरक)—आदा
छिम्पी (छिम्पी)—सिम

परवल (परवल)—पटेल
मूली (मूली)—मूला
गाजर (गाजर)—गाजर
करंदा (करंदा)—करंदा
पेठा (पेठा)—गलकुमड़ा
शलगम (शलगम)—शलगम
वंदगोभी (वंदगोभी)—दोहाकपि
सैजन (सैजन)—सजिना
लहसुन (लहसुन)—रसून
इमली (इमली)—तेतल
शकरकंद (शकरकंद)—राडाआन

★ नसाला (नसाला)—नसाला

अरहर दाल (अरहर दाल)—अरहर दाल

उड़द दाल (उड़द दाल)—बिरि दाल

मुंग दाल (मुंग दाल)—मुंग दाल

चना (चना)—छेना

सरसों (सरसों)—सरसों

सौंफ (सौंफ)—सौंफ

तिल (तिल)—तिल

साबुदाना (साबुदाना)—साबु

नमक (नमक)—नमक

शहद (शहद)—शहद

जज्वायन (जज्वायन)—जज्वायन

कड़ेया तेल (कड़ेया तेल)—सरसों तेल

हल्दी (हल्दी)—हल्दी

धनिया (धनिया)—धनिया

मुंगफली (मुंगफली)—चीनादागम

मेथी (मेथी)—मेथी

मिर्च (मिर्च)—मिर्च

इलायची (इलायची)—एलाच

लौंग (लौंग)—लौंग

सुखा मिर्चा (सुखा-मिर्चा)—सुखा मिर्चा

गुड़ (गुड़)—गुड़

खैर (खैर)—खैर

खाने पीने की चीजें (खाने पीने की चीजें)

बानाबद्ध समूह

चावल (चावल)—चावल
रोटी (रोटी)—रोटी
दाल (दाल)—दाल
दही (दही)—दही
मट्ठा (मट्ठा)—घोल
खीर (खीर)—खीर
पुलाव (पुलाव)—पुलाव
मछली (मछली)—माछ
अचार (अचार)—आचार
रसगुल्ला (रसगुल्ला)—रसगुल्ला
भात (भात)—भात
चपाती (चपाती)—चपाती
भार्जी (भार्जी)—भार्जी
चटनी (चटनी)—चटनी
दुध (दुध)—दुध
खिचड़ी (खिचड़ी)—खिचड़ी
गेंहू (गेंहू)—गेहू
पुरी (पुरी)—पूरी
सब्जी (सब्जी)—उदकरी
मक्खन (मक्खन)—मक्खन
छैना (छैना)—छैना
मांस (मांस)—मांस
मिठाई (मिठाई)—मिठाई
अंडा (अंडा)—अंडा

बीमारियां (बीमारियां)—बीमारियां

बुखार (बुखार)—बुखार
खाँसी (खाँसी)—काशि
अजीर्ण (अजीर्ण)—अजीर्ण
बवासीर (बवासीर)—अर्श
काली खाँसी (काली खाँसी)—काली काशि
कृमि (कृमि)—कृमि
खूजली (खूजली)—खूजली
चोट (चोट)—आघात
आन्तर (आन्तर)—आन्तर
लकवा (लकवा)—लकवा
दिहमज्वर (दिहमज्वर)—मालेरिया
हैजा (हैजा)—कलेरा
मधुमेह (मधुमेह)—मधुमेह
बमन (बमन)—बमन
जुकाम (जुकाम)—जुकाम
छाजन (छाजन)—छाजन
दमा (दमा)—दमा
अतिसार (अतिसार)—अतिसार
फुंसी (फुंसी)—फुंसी
लु-लगाना (लु-लगाना)—लु-लगाना
बमन (बमन)—बमन
चक्र आना (चक्र आना)—चक्र आना
आँख दुखना (आँख दुखना)—आँख दुखना
कोड़ (कोड़)—कोड़
पेचिस (पेचिस)—पेचिस
चेचक (चेचक)—चेचक
केंचुया (केंचुया)—केंचुया
आँख आना (आँख आना)—आँख आना

जाति विषयक (जाति विषयक)—जाति विषयक

हिन्दू (हिन्दू)—हिन्दू

मुसलमान (मुसलमान)—मुसलमान

कुम्हार (कुम्हार) — कुम्हार
ठठेरा (ठठेरा) — कौमारी
जूलाहा (जूलाहा) — ताँती
सैनिक (सैनिक) — सैनिक
धोबी (धोबी) — धोपा
चंडाल (चंडाल) — चांडाल

लोहार (लोहार) — कामार
सुनार (सुनार) — स्वर्णकार
बड़ई (बड़ई) — हूतार
मछुआ (मछुआ) — छेले
नाई (नाई) — नापित
चमार (चमार) — मुँचि
भांगी (भांगी) — मेथर

घर का सामान (घर का सामान) गृहस्थलीर द्रव्य

घर (घर) — घर
इमारत (इमारत) — पाका बाड़ी
दीवार (दीवार) — दीवार
छत (छत) — छत

किला (किला) — दुर्ग
झोंपड़ी (झोंपड़ी) — झोंपड़ा
कमरा (कमरा) — कमरा
रसोईखाना (रसोईखाना) — रसोईघर
गोदाम (गोदाम) — गोदाम

गुसलखाना (गुसलखाना) — स्नानघर

भंडार (भंडार) — भंडार

टट्टी (टट्टी) — पायखाना

खिड़की (खिड़की) — खानाना

किराये का मकान (किराये का मकान) — भाड़ा का मकान

अंगीठी (अंगीठी) — ऊन

दिया (दिया) — दीप

ढक्कन (ढक्कन) — ढक्कन

झुला (झुला) — झूलना

पलंग (पलंग) — पलंग

तकिया (तकिया) — बालिश

चटाई (चटाई) — चादर

आईना (आईना) — आरना

प्याला (प्याला) — पेयाला

खिलौना (खिलौना) — खेला

आराम कुर्सी (आराम कुर्सी) — आराम कुर्सी

शोने का कमरा (शोने का कमरा) — शयनघर

दरवाजा (दरवाजा) — दरवाजा

बगीचा (बगीचा) — बागान

भाड़ा का मकान

कड़ाही (कड़ाही) — कड़ाही

चलनी (चलनी) — चालनी

कील (कील) — पेंसिल

खाट (खाट) — खाट

बिछौना (बिछौना) — बिछौना

दरि (दरि) — दरि

चारपाई (चारपाई) — चाटिया

कंधी (कंधी) — कंधी

रस्सी (रस्सी) — रस्सी

गुड़िया (गुड़िया) — गुड़िया

गुड़िया (गुड़िया) — गुड़िया

कुर्सी (कुर्सी) — कुर्सी
मेज (मेज) — टेबल
पंख (पंख) — पंख
झाड़ु (झाड़ु) — झाड़ु
बरतन (बरतन) — बरतन
थाली (थाली) — थाली
कटोरा (कटोरा) — कटोरा
चक्की (चक्की) — चक्की
सन्दुक (सन्दुक) — सिन्दुक
गद्दा (गद्दा) — गद्दा
चदर (चदर) — चादर
धोती (धोती) — धोती
परदा (परदा) — परदा
टोपी (टोपी) — टोपी
चुला (चुला) — चुला
कीचड़ (कीचड़) — कीचड़
पुआल (पुआल) — पुआल

तसवीर (तसवीर) — तसवीर
चाभी (चाभी) — चाबि, कुन्धी
कंगी (कंगी) — कंगी
तशतरी (तशतरी) — तशतरी
गिलास (गिलास) — गिलास
केतली (केतली) — केतली
पेटी (पेटी) — पेटी
तौलिया (तौलिया) — तौलिया
रजाई (रजाई) — रजाई
कामिज (कामिज) — कामिज
साड़ी (साड़ी) — साड़ी
चप्पल (चप्पल) — चप्पल
मच्छरदान (मच्छरदान) — मच्छरदान
बालू (बालू) — बालू
खपरैल (खपरैल) — खपरैल
कुँआ (कुँआ) — कुँआ

शिक्षा विषयक (शिक्षा विषयक) — शिक्षा विषयक

किताब (किताब) — किताब
कलम (कलम) — कलम
दवात (दवात) — दवात
कक्षा (कक्षा) — कक्षा
बंगला (बंगला) — बंगला
अंग्रेजी (अंग्रेजी) — अंग्रेजी
इतिहास (इतिहास) — इतिहास
गणित (गणित) — गणित
हस्ताक्षर (हस्ताक्षर) — हस्ताक्षर
शिक्षक (शिक्षक) — शिक्षक

कापी (कापी) — कापी
पेंसिल (पेंसिल) — पेंसिल
स्याही (स्याही) — स्याही
विद्यालय (विद्यालय) — विद्यालय
हिन्दी (हिन्दी) — हिन्दी
विज्ञान (विज्ञान) — विज्ञान
भूगोल (भूगोल) — भूगोल
हिसाब (हिसाब) — हिसाब
छुट्टी (छुट्टी) — छुट्टी
अखबार (अखबार) — अखबार

यान-वाहन (इशान-वाहन) — यान-वाहन

बैलगाड़ी (ब्याङ्गगाड़ी) — गरुरगाड़ी।	डोली (डोली) — डूनी, पानकी
टंगा (टङ्गा) — टङ्गागाड़ी	साइकल (साइकल) — साइकल
मोटर (मोटर) — मोटर	बस (बस) — बस
रिक्स (रिक्स) — रिक्सा	नाव (नाव) — नौका।
रेल (रेल) — रेल	जहाज (जहाज) — जहाज
हवाई जहाज (हवाई जहाज) — एरोप्लेन	
घोड़ा गाड़ी (घोड़ा गाड़ी) — घोड़ा गाड़ी	

महिनों के नाम (महिनों के नाम) — मासों के नाम

वैशाख (वैशाख) — वैशाख	जेठ (जेठ) — जेठ
अषाढ़ (अषाढ़) — अषाढ़	शावन (शावन) — आषाढ
भादो (भादो) — भाद्र	कवार (कवार) — आश्विन
कार्तिक (कार्तिक) — कार्तिक	अनहण (अनहण) — अग्रहारण
पुष (पुष) — पौष	माघ (माघ) — माघ
फाल्गुन (फाल्गुन) — फाल्गुन	चैत (चैत) — चैत

अंग्रेजी महिनों के नाम (अंग्रेजी महिनों के नाम) — इंग्रजी मासों के नाम

जानवरी (जानवरी) — जनवरी	फरवरी (फरवरी) — फरवरी
मार्च (मार्च) — मार्च	अप्रैल (अप्रैल) — अप्रैल
मई (मई) — मई	जून (जून) — जून
जुलाई (जुलाई) — जुलाई	अगस्त (अगस्त) — अगस्त
सितम्बर (सितम्बर) — सितम्बर	अक्तुबर (अक्तुबर) — अक्टोबर
नवम्बर (नवम्बर) — नवम्बर	दिसम्बर (दिसम्बर) — दिसम्बर

वार का नाम (वार का नाम) — वारों के नाम

एतवार (एतवार) — रविवार	सोमवार (सोमवार) — सोमवार
मंगलवार (मंगलवार) — मंगलवार	बुधवार (बुधवार) — बुधवार
गुरुवार (गुरुवार) — गुरुवार	शुक्रवार (शुक्रवार) — शुक्रवार
शनिवार (शनिवार) — शनिवार	

पाठ—५ (पाठ—५)

विविध शब्द (विविध शब्द) — विविध शब्द

अन्दर (अन्दर) — अन्दर	बाहर (बाहर) — बाहर
नजदीक (नजदीक) — निकट	दूर (दूर) — दूर
झील (झील) — झील	तालाब (तालाब) — तालाब
संख्या (संख्या) — संख्या	शोर (शोर) — शोर
याद (याद) — याद	दुकान (दुकान) — दुकान
उधार (उधार) — उधार	जूस (जूस) — जूस
कंबल (कंबल) — कंबल	बजार (बजार) — बाजार
थालि (थालि) — थाली	शादी (शादी) — शादी
पत्थर (पत्थर) — पत्थर	झूट (झूट) — झूट
सच (सच) — सच	खिलौना (खिलौना) — खिलौना
गुड़िया (गुड़िया) — गुड़िया	कटोरा (कटोरा) — कटोरा
हवा (हवा) — हवा	जेब (जेब) — जेब
बटन (बटन) — बटन	पता (पता) — पता
बुझा (बुझा) — बुझा	बुझी (बुझी) — बुझी
अंधा (अंधा) — अंधा	लंगड़ा (लंगड़ा) — लंगड़ा
गुंगा (गुंगा) — गुंगा	बौना (बौना) — बौना
नाटा (नाटा) — नाटा	दोस्त (दोस्त) — दोस्त
दुशमन (दुशमन) — दुशमन	सुराही (सुराही) — सुराही
कितान (कितान) — कितान	खेतीवारी (खेतीवारी) — खेतीवारी
लम्बाई (लम्बाई) — लम्बाई	चौड़ाई (चौड़ाई) — चौड़ाई
हत्या (हत्या) — हत्या	हत्यारा (हत्या) — हत्या
अच्छा (अच्छा) — अच्छा	बुरा (बुरा) — बुरा
ताजा (ताजा) — ताजा	सड़ा (सड़ा) — सड़ा
डाकाईती (डाकाईती) — डाकाईती	चोरी (चोरी) — चोरी
घोख (घोख) — थोड़ा	लूटमारना (लूटमारना) — लूटमारना
मंडी (मंडी) — बाजार	मार्ग (मार्ग) — मार्ग

রেজগারী (রেজগারী)—রেজকী
 সোনা (সোনা)—সোনা
 তাঁবা (তাঁবা)—তাম্র
 সवाल (সওয়াল)—প্রশ্ন
 पानी (পানী)—জল
 मौत (মওত)—মৃত্যু
 शशुराल (শশুরাল)—শশুরবাড়ি
 आग (আগ)—আগুন
 दवा (দওয়া)—ঔষধ
 भरा (ভরা)—ভর্তি
 दाहिना (দাহিনা)—দক্ষিণ
 आगे (আগে)—সামনে
 प्यास (প্যাস)—পিপাসা
 ओर (ওর)—দিক
 बहुत (বহুত)—অনেক
 शुखा (শুখা)—শুকনো
 अब (অব)—এখন
 शर्म (শর্ম)—লজ্জা
 आज (আজ)—আজ
 बनना (বননা)—তৈরী হওয়া
 अंधेरा (অন্ধেরা)—অন্ধকার
 दाग (দাগ)—আঘাত করা
 पतला (পতলা)—পাতলা
 दुबला (দুবলা)—রোগা
 आधा (আধা)—অর্ধ
 शायद (শায়দ)—হয়ত
 शहर (শহর)—শহর
 रुपैया (রুপায়্যা)—টাকা

कढ़ाई (কড়াই)—কঠোর
 चाँदी (চাঁদী)—রূপা
 अभरक (অভরক)—অব
 जनाव (জওয়াব)—উত্তর
 जिनंदगी (জিন্দগী)—জীবন
 सरदी (সরদী)—শীত
 मैका (ম্যাকা)—বাপের বাড়ি
 चामड़ा (চমড়া)—চমড়া
 गोली (গোলী)—ট্যাবলেট
 बुँद (বুঁদ)—বিন্দু
 बाया (বায়া)—বাম
 पिछे (পিছে)—পিছনে
 भूखा (ভুখা)—ক্ষুধার্ত
 पेशा (পেশা)—বৃত্তি
 थोड़ा (থোড়া)—অল্প
 भीगा (ভীগা)—ভিজে
 जब (জব)—যখন
 हररोज (হররোজ)—প্রতিদিন
 कल (কল)—কাল
 बनाना (বনানা)—তৈরী করা
 चाँदनी (চাঁদনী)—ছোৎনা
 सीधा (সীধা)—সোজা
 मोटा (মোট)—মোট
 ताकतवर (তাকতওয়ার)—শক্তিমান
 पुरा (পুরা)—সব
 अचानक (অচানক)—হঠাৎ
 गाँव (গাঁও)—গ্রাম
 पैसा (পৈসা)—পয়সা

चौअत्री (চওঅত্রী)—সিকি
 नये पैसे (নয়ে প্যাসেসে)—নয়া পয়সা
 बीमारी (বীমারী)—রোগ
 नौकर (নওকর)—চাকর
 गोद (গোদ)—কোল
 बाद में (বাদ মে)—বাদে
 मर्द (মর্দ)—পুরুষ
 डर (ডর)—ভয়
 बादल (বাদল)—মেঘ
 जंगल (জঙ্গল)—বন, অরণ্য
 जम (জম)—বয়স
 दुल्हा (দুল্হা)—বর
 पूँछ (পুঁছ)—লেজ
 खूबसूरत (খুবসূরত)—সুন্দর
 दर्द (দর্দ)—ব্যথা, বেদনা
 धीरे से (ধীরে সে)—আস্তে
 मालिक (মালিক)—প্রভু

अठनी (অঠনী)—আধুলী
 पण्ड (পণ্ড)—পাঁপর
 अचार (অচার)—আচার
 नौकरानी (নওকরানী)—চাকরানী
 काँख (কাঁখ)—কাঁখ
 बारे में (বারে মে)—সম্পর্কে
 जेनाना (জেনানা)—স্ত্রীলোক
 मछली (মছলী)—মাছ
 लड़ाई (লড়াই)—যুদ্ধ
 खेत (খেত)—জমি
 लकीर (লকীর)—রেখা
 दुल्हिन (দুল্হিন)—কনে
 पसीना (পসীনা)—ঘাম
 इजाजत (ইজাজত)—আদেশ
 जल्दी (জল্দী)—তাড়াতাড়ি
 औरत (অওরত)—নারী
 मालकिन (মালকিন)—প্রভুপত্নী

डाक और तार (ডাক অওর তার)—ডাক এবং তার
 डाकखाना (ডাকখানা)—পোস্টঅফিস
 पोस्ट मास्टर (পোস্ট মাস্টার)—পোস্ট মাস্টার
 चिट्ठी (চিট্ঠী)—চিঠি
 तार (তার)—টেলিগ্রাম
 डाकिया (ডাকিয়া)—ডাক পিওন
 लेफाफा (লেফাফা)—খাম
 किराया (কিরায়া)—ভাড়া
 महशुल (মহশুল)—মাশুল

पाठ—६ (পাঠ—৬)

व्याकरण (ব্যাগ্রাকরণ)

যে কোনও ভাষা ভালোভাবে শিখা করতে হলে, সেই ভাষায় ব্যাকরণ

সম্পর্কে জ্ঞান অর্জন করতে হয়, তা না হলে ভাষা শুদ্ধভাবে বলা ও লেখা যায় না। বাংলা ভাষার মতই হিন্দী ভাষার ব্যাকরণ। তবে কিছু কিছু ক্ষেত্রে এর তফাৎ দেখা যায়। এগুলি ভাবভাবে ভেদে রাখা সরকার। যেমন—সর্বনাম।

বাংলা ভাষায় সর্বনামের নিম্ন ভেদ হয় না। হিন্দীতে ও পুন্নিম্ন একই প্রকার থাকে। হিন্দীতে কিন্তু তা নয়। হিন্দী ভাষার সর্বনাম পুন্নিম্ন এবং হিন্দীতে ভেদে ভিন্নরূপে ব্যবহৃত হয়।

(ক) হিন্দীতে প্রথমা বিভক্তিতে কর্তার সঙ্গে 'নে' (ने)-প্রত্যয় যুক্ত হয়। যেমন—আগি খেয়েছি—মैंने খাया। (মৈঁনে খায়া)। তুমি খেয়েছ—তুমিने খाया। (তুমুনে খায়া) ইত্যাদি।

(খ) বাংলায় 'এর' বিভক্তির স্থলে হিন্দীতে 'কা' (का), 'কে' (के), 'কী' (की) বিভক্তি যুক্ত হয়। যেমন—বিশালের ঘর—বিশাল का घर (এবিশাল ক' ঘর)। আপনার ঘর—आपके घर (আপুকে ঘর), শীলার ঘর—शीला की घर (শীলা কী ঘর)। গ্রামের ছেলে—गाँव का लड़का (গাঁও কা লড়কা)। ঘরের ঝলন—घर का बैल (ঘর কা বায়ল)।

(গ) কোনও কিছুর ওপরে বুঝতে হিন্দীতে 'পর' যুক্ত হয়। যেমন—টেবিলের ওপর—मेज पर (মেজ্ পর)। বিছনার ওপর—बिस्तरा पर (বিস্তরা পর)। ছাদের ওপর—छत पर (ছত পর)। দেয়ার ওপর—कुर्ची पर (কুর্চী পর)। গাছের ওপর—पेड़ पर (পেড় পর)। ইত্যাদি।

(ঘ) বাংলায় 'এ' 'তে' বিভক্তি স্থলে হিন্দীতে 'মৈঁ' (मैं) বিভক্তি যুক্ত হয়। যেমন—পথে—सड़क में (সড়ক মৈঁ)। ঘরে—घर में (ঘর মৈঁ)। দোকানে—दुकान में (দুকান মৈঁ)।

(ঙ) বাংলায় 'ইহতে' স্থলে হিন্দীতে 'সে' (से) যুক্ত হয়। যেমন—গাছ থেকে—पेड़ से (পেড় সে)। তোমার নিকট ইহতে—तुम से (তুম সে)। তাহার নিকট ইহতে—उस से (উন্ সে)।

সর্বনাম (सर्वनाम)

বাংলার মত হিন্দীতে দুটি বচন আছে। যেমন—একবচন (एकवचन) ও বহুবচন (बहुवचन)। একটি সংখ্যা বোঝাতে একবচন এবং একের অধিক বোঝাতে, বহুবচন ব্যবহৃত হয়। হিন্দীতে সর্বনামগুলি একবচন ও বহুবচনে

ভাবে পরিবর্তন হয়, নিচু তার আলোচনা করা হলো।

एकवचन (একবচন)	बहुवचन (ওয়বচন)
मैं (মৈঁ)—আমি	हम (হম)—আমরা
तु (তু)—তুই	तु सब (তু সব)—তোরা
तुम (তুম)—তুমি	तुमलाग (তুমলোগ)—তোমরা
आप (আপ)—আপনি	आपलोग (আপলোগ)—আপনারা
वह (ওয়হ)—সে	वे (ওয়ে)—তারা, তাঁরা, তিনি
मेरा (মেবা)—আমার	हमारा (হমারা)—আমাদের
तेरा (তেরা)—তোর	तु सबका (তু সবকা)—তোদের
तुम्हारा (তুমহারা)—তোমার	तुमलोगों का (তুমলোগোঁ কা)—তোমাদের
आपका (আপকা)—আপনার	आपलोगों का (আপলোগোঁ কা)—আপনাদের
उसका (উসকা)—তাহার	उनका (উন্কা)—তাঁহার, তাঁদের

उनलोगों का (উন্লোগোঁ কা)—উহাদের, তাহাদের

मुझका, मुझ (মুঝকা, মুঝে)—আমাকে

तुझका, तुझ (তুঝকা, তুঝে)—তোকে

तुमका, तुम्ह (তুমকা, তুমহে)—তোমাকে

आपका (আপকা)—আপনাকে

उनका, उन्हें (উন্কা, উন্হে)—তাঁহাকে

उसका, उसे (উসকা, উসে)—তাহাকে

हमका, हमें (হমকা, হমৈঁ)—আমাদিগকে

तु सबका (তু সবকা)—তোমাদের সকলকে

तुमलोगोंका (তুমলোগোঁকা)—তোমাদিগকে

आपलोगोंका (আপলোগোঁকা)—আপনাদিগকে

उनका, उन्हें (উন্কা, উন্হে)—তাঁহাদিগকে (গৌরবার্থে)

उनका, उन्हें (উন্কা, উন্হে)—তাহাদের.

ক্রিয়া (क्रिया)

বাংলা ভাষার মতো হিন্দীতেও ক্রিয়া আছে এবং ক্রিয়ার তিনটি কাল আছে। বাংলা ভাষায় মতন ও নিম্নভেদে ক্রিয়ার রূপের পরিবর্তন হয় না।

হিন্দীতে বচন ও লিঙ্গভেদে ক্রিয়ার রূপের পরিবর্তন হয়।

বাংলার মতো হিন্দীতেও ক্রিয়ার তিনটি কাল আছে। যেমন—(১) বর্তমান (ওয়বর্তমান), (২) অতীত (অতীত) এবং ভবিষ্যৎ (ভওয়িষ্যৎ)। হিন্দীতে এই তিনটি কাল, লিঙ্গ, বচন অনুসারে ক্রিয়ার ব্যবহার হয়। এ সম্পর্কে বেশ ভালভাবে জ্ঞান লাভ করতে হলে সর্বনামগুলি সম্পর্কে ভালভাবে জ্ঞানতে হবে। এজন্য প্রথমে সর্বনামগুলির আলোচনা করা হয়েছে।

বর্তমান কাল (ওয়বর্তমান কাল)

হিন্দীতে বর্তমান কালে—হুঁ, হৈ, হৈঁ, হো বিভক্তি যুক্ত করা হয়। নিচের তার উদাহরণ দেওয়া হলো। যেমন—

একবচন (একবচন)	বহুবচন (ওয়বচন)
মैं हूँ (ম্যায় হুঁ)—আমি হই।	हम हैं (হম হ্যায়)—আমরা হই।
तु है (তু হ্যায়)—তুই হস।	तुम हो (তুম হো)—তুমি হও।
आप हैं (আপ হ্যায়)—আপনি হন।	आपलोग हैं (আপলোগ হ্যায়)—আপনারা হন।
वह है (ওয়হ হ্যায়)—সে হয়।	वे हैं (ওয়ে হ্যায়)—তারা বা তিনি হন।

অতীত কাল (অতীত কাল)

হিন্দীতে অতীত কালে লিঙ্গ ও বচন অনুসারে—থা, থে, থী, থোঁ বিভক্তি যুক্ত হয়।

একবচন (একবচন)	বহুবচন (ওয়বচন)
मैं था (ম্যায় থা)—আমি ছিলাম।	हम थे (হম থে)—আমরা ছিলাম।
तु था (তু থা)—তুই ছিলি।	तुम थे (তুম থে)—তুমি ছিলে।
आप थे (আপ থে)—আপনি ছিলেন।	आपलोग थे (আপলোগ থে)—আপনারা ছিলেন।
वह था (ওয়হ থা)—সে ছিল।	वे थे (ওয়ে থে)—তাহারা ছিল।
	তিনি ছিলেন। তাঁরা ছিলেন।

ভবিষ্যৎ কাল (ভওয়িষ্যৎ কাল)

হিন্দীতে ভবিষ্যৎ কালে লিঙ্গ ও বচন অনুযায়ী—হুঁগা, হোগা, হোগে,

হোগে বিভক্তি যুক্ত হয়। যেমন—

একবচন (একবচন)	বহুবচন (ওয়বচন)
मैं हुँगा। (ম্যায় হুঁগা।)—আমি হইব।	हम होंगे। (হম হোংগে।)—আমরা হইব।
तु होगा। (তু হোংগা।)—তুই হবি।	तुम होंगे। (তুম হোংগে।)—তুমি হবে।
आप होंगे। (আপ হোংগে।)—আপনি হবেন।	आपलोग होंगे। (আপলোগ হোংগে।)—আপনারা হবেন।
वह होगा। (ওয়হ হোংগা।)—সে হবে।	वे होंगे। (ওয়ে হোংগে।)—তিনি হবেন।

এতরূপ সর্বনামের সঙ্গে বর্তমান, অতীত ও ভবিষ্যৎ কালের বিভক্তিগুলি লিঙ্গ ও বচন অনুসারে দেখানো হলো। এখানে কয়েকটি ক্রিয়া লিঙ্গ ও বচন অনুসারে কিভাবে পরিবর্তিত হয়, তার আলোচনা করা হচ্ছে।

জানা (জানা)—যাওয়া—বর্তমান কাল
(একবচন—পুংলিঙ্গ)

मैं जाता हूँ। (ম্যায় জাতা হুঁ।)—আমি যাচ্ছি।
तुम जाता है। (তুম জাতা হ্যায়।)—তুমি যাচ্ছ।
तु जाता है। (তু জাতা হ্যায়।)—তুই যাচ্ছিস।
वह जाता है। (ওয়হ জাতা হ্যায়।)—সে যাচ্ছে।

(বহুবচন—পুংলিঙ্গ)

हम जाते हैं। (হম জাতে হ্যায়।)—আমরা যাই।
तुम जाते हो। (তুম জাতে হো।)—তুমি যাও।
वे जाते हैं। (ওয়ে জাতে হ্যায়।)—তারা যান বা তারা যায়।

এবার উপরোক্ত 'জানা' ক্রিয়াটি স্ত্রীলিঙ্গ 'জাতা' স্থলে 'জাতী' হবে।

যেমন—

স্ত্রীলিঙ্গ একবচন—मैं जाती हूँ। (ম্যায় জাতী হুঁ।)—আমি যাই ইত্যাদি।
স্ত্রীলিঙ্গ বহুবচন—हम जाती हैं। (হম জাতী হ্যায়।)—আমরা যাই।
জানা (জানা)—যাওয়া (বর্তমান কাল—পুংলিঙ্গ)

যদি প্রথমা বিভক্তিতে 'ने' প্রত্যয় যুক্ত হয়, তাহলে বাক্যগুলি নিম্নরূপ হবে।

যেমন—

মৈনে জাদা । (মায়নে খায়া)।—আমি খেলায়।

তুনে জাদা । (তুনে খায়া)।—তুমি খেলি।

উতনে জাদা । (উতনে খায়া)।—সে খেল।

হমনে জাদা । (হমনে খায়া)।—আমরা খেলায়।

তুমনে জাদা । (তুমনে খায়া)।—তোমরা খেল।

উছোনে জাদা । (উছোনে খায়া)।—তারা বা তারা খেলেন।

হি হ—হিন্দী জাদা 'হনে জাদা' (খারী)।—হবে।

অতীত কাল

হিন্দীতে অতীতকাল বোঝাতে পূর্নিদ একবচনে—খা (খা) বিভক্তি, পূর্নিদ বহুবচনে ধি (ধে) লুপ্ত হয়। যেমন—

(একবচন—পূর্নিদ)

হম জাদা খা । (হম খায়া খা)।—আমি খেয়েছি।

তুনে জাদা খা । (তুনে খায়া খা)।—তুমি খেয়েছিস।

উতনে জাদা খা । (উতনে খায়া খা)।—সে খেয়েছে।

(বহুবচন—পূর্নিদ)

হমনে জাদে ধি । (হমনে খায়ে ধে)।—আমরা খেয়েছি।

তুমনে জাদে ধি । (তুমনে খায়ে ধে)।—তোমরা খেয়েছ।

তুনে জাদে ধি । (তুনে খায়ে ধে)।—তারা খেয়েছিস।

হিন্দী একবচনে—জাদা খা (খারী ধী) এবং বহুবচনে—জাদা খা (খারী ধী) হবে।

ভবিষ্যৎ কাল

(একবচন—পূর্নিদ)

মৈ জাউংগা । (মায় খাউংগা)।—আমি খাব।

তুম জাউগে । (তুম খাউগে)।—তুমি খাবে।

(বহুবচন—পূর্নিদ)

হম জাউংগে । (হম খাউংগে)।—আমরা খাব।

বে জাউংগে । (ওয়ে খাউংগে)।—তারা খাবে।

সূচী ৮৬৮

পাঠ—৩ (পাঠ—৭)

পদ পরিচয় (পদ পরিচয়)

বিমল কে पास कलम है । (ওয়িমল কে পাস কলম শায়)।—বিমলের কাছে কলম আছে।

মিতা अच्छी लड़की है । (মিতা অচ্চী লড়কী শায়)।—মিতা ভালো মেয়ে।

अनिल और सुनील जल्दी आता है । (অনিল অওর সুনীল জল্দী আতা শায়)।—অনিল ও সুনীল তাড়াতাড়ি আসছে।

आह, मुझे जाने दो । (আহ, মুঝে জানে দো)।—আঃ, আমাকে যেতে দাও।

উপরে চারটি বাক্য দেওয়া হয়েছে। এর মধ্যে প্রথম বাক্যটিতে—বিমল কোনও ব্যক্তির নাম এবং কলম একটি বস্তুর নাম বোঝাচ্ছে।

দ্বিতীয় বাক্যে—अच्छा শব্দটি ক্রিয়াধি অচ্চী হয়েছে এবং লড়কী শব্দের গুণ বোঝাচ্ছে।

তৃতীয় বাক্যে—जल्दी শব্দটি 'আতা' ক্রিয়ার অবস্থা বোঝাচ্ছে। 'और' শব্দটি अनिल ও सुनील দুটি বাক্যকে যুক্ত করেছে। 'जाती है' শব্দটি দ্বারা যাওয়া বোঝাচ্ছে।

চতুর্থ বাক্যে—आह শব্দটি দ্বারা মনের আবেগ বা দুঃখ প্রকাশ করছে।

বাক্যে में ব্যবহৃত प्रत्येक शब्द को 'पद' कहते हैं (ওয়াক্ইয় মে ওয়হত প্রত্ইক্ইক শব্দ কো পদ কহতে শায়)।—বাক্যে ব্যবহৃত প্রত্যেক শব্দকে পদ বলে।

হিন্দী এবং বাংলা উভয় ভাষাতেই পদ পাঁচ প্রকার। যেমন—

১. संज्ञा (সংজ্ঞা)—বিশেষ্য। ২. विशेषण (ওয়িশেব্ধ)—বিশেষণ। ৩. सर्वनाम (সর্বনাম)—সর্বনাম। ৪. क्रिया (ক্রিয়া)—ক্রিয়া। ৫. अव्यय (অব্যয়)—অব্যয়।

সংজ্ঞা (সংজ্ঞা)—বিশেষ্য

বাংলার মতোই হিন্দীতে (সংজ্ঞা) বিশেষ্য পাঁচ প্রকার। যেমন—(১) ব্যক্তিবাচক (ওয়ক্তিওয়াচক), (২) জাতিবাচক (জাতিওয়াচক)—জাতিবাচক। (৩) সমুহবাচক (সমূহওয়াচক), (৪) দ্রব্যবাচক (দ্রব্যওয়াচক)। (৫) ভাববাচক (ভাবওয়াচক)।

১. ব্যক্তিবাচক (ওয়ক্তিওয়াচক)—যে বিশেষ্য দ্বারা কোনও ব্যক্তি, বস্তু বা স্থানের নাম বুঝায়। তাকে বলা হয় ব্যক্তিবাচক সংজ্ঞা (ওয়ক্তিওয়াচক সংজ্ঞা)। যেমন—হরেন (হরেন), এক ব্যক্তির নাম। গঙ্গা (গঙ্গা)—একটি নদীর নাম। কিতাব (কিতাব) পুস্তক। একটি বস্তুর নাম। কলকাতা (কলকাতা)—কলিকাতা, একটি স্থানের নাম। সোনা (সোনা) একটি ধাতুর নাম ইত্যাদি।

২. জাতিবাচক (জাতিওয়াচক)—এই বিশেষ্য বা সংজ্ঞা দ্বারা এক জাতীয় সব প্রাণী বা বস্তুকে বোঝায়। যেমন—মনুষ্য (মনুষ্যইয়)—মানুষ। শের (শের)—বাঘ। কুত্তা (কুত্তা)—কুকুর। পীথা (পীথা)—চারাগাছ।

৩. সমূহবাচক (সমূহওয়াচক)—এই বিশেষ্য দ্বারা এক জাতীয় বহু বস্তুকে একটির মতো বোঝায়।

৪. দ্রব্যবাচক (দ্রব্যওয়াচক)—এই বিশেষ্য দ্বারা যে কোনও দ্রব্যকে বোঝায়।

৫. ভাববাচক (ভাবওয়াচক)—এই বিশেষ্য দ্বারা হর্ষ, বিবাদ, ভয় প্রভৃতি মনের ভাব বোঝায়।

বিশেষণ (ওয়িশেষণ)—বিশেষণ

যে পদের দ্বারা বিশেষ্য পদের দোষ, গুণ, অবস্থা, পরিমাণ বা সংখ্যা বোঝায়, তাকে বিশেষণ বলে।

সংজ্ঞা বা সর্বনাম কী বিশেষতা বতানেবালে শব্দों को विशेषण कहते हैं (সংজ্ঞা ইয়া সর্বনাম কী ওয়িশেষতা, বতানেওয়ালে শব্দों কো ওয়িশেষণ্ড্ কহতে হাঁয়)—সংজ্ঞা বা সর্বনামের বিশেষতা বোঝানোর শব্দগুলিকে বিশেষণ বলে। যেমন—

অচ্ছা লড়কা । (অচ্ছা লড়কা।)—ভালো ছেলে।

দুরা লড়কা । (দুরা লড়কা।)—খারাপ ছেলে।

অচ্ছী লড়কী । (অচ্ছী লড়কী।)—ভালো মেয়ে।

উপরের বাক্যগুলিতে বোঝা যাচ্ছে 'অচ্ছা' এবং 'দুরা' শব্দ দুটির দ্বারা লড়কা বিশেষ্য পদের দোষ গুণ বোঝা যাচ্ছে। অতএব 'অচ্ছা' ও 'দুরা'

আবার দেখা যাচ্ছে—অ-কারান্ত বিশেষণ পদ লিঙ্গভেদে পরিবর্তন হয় না। আবার অ-কারান্ত বিশেষণ না হলে বিশেষ্যের লিঙ্গ, বচন অনুসারে বিশেষণের পরিবর্তন হয়। যেমন—

অচ্ছা লড়কা । (অচ্ছা লড়কা।)—ভালো ছেলে। (একবচন)

অচ্ছা লড়কী । (অচ্ছা লড়কী।)—ভালো মেয়ে। (একবচন)

অচ্ছে লড়কে । (অচ্ছে লড়কে।)—ভাল ছেলেগুলি। (বহুবচন)

অচ্ছী লড়কিয়াঁ । (অচ্ছী লড়কিয়াঁ।)—ভাল মেয়েগুলি। (বহুবচন)

বাংলা ভাষায় যেমন অনেক সময় বিশেষ্যের পরে বিশেষণ ব্যবহৃত হয়। সেই রকম হিন্দীতেও অনেক সময় বিশেষ্যের পরে বিশেষণ ব্যবহৃত হয়। যেমন—

যহ কমরা ছোটা হৈ । (ইয়হ্ কমরা ছোটা হায়।)—এই ঘরটি ছোট।

যহ গুলাব লাল হৈ । (ওয়হ্ গুলাব লাল হায়।)—এ গোলাপটি লাল।

উপরের বাক্য দুটিতে দেখা যায় 'কমরা' বিশেষ্য পদের পরে 'ছোটা' বিশেষণ এবং 'গুলাব' বিশেষ্য পদের পরে 'লাল' বিশেষণ বসেছে।

পুংলিঙ্গ বহুবচন হলে—অ-কারান্ত বিশেষণ পদ এ-কারান্ত হয় এবং স্ত্রীলিঙ্গ উভয় বচনেই ঈ-কারান্ত হয়। যেমন—

ছোটা লড়কা । (ছোটা লড়কা।)—ছোট ছেলে। (পুং-একবচন)

বড় লড়কে । (বড় লড়কে।)—বড় ছেলেরা। (পুং-বহুবচন)

বড়ী লড়কী । (বড়ী লড়কী।)—বড় মেয়ে। (স্ত্রী-একবচন)

বড়ী লড়কিয়াঁ । (বড়ী লড়কিয়াঁ।)—বড় মেয়েরা। (স্ত্রী-বহুবচন)

সর্বনাম সর্বওয়নাম—সর্বনাম

সংজ্ঞা বা বিশেষ্য পদের পরিবর্তে যে পদ ব্যবহার করা হয়, তাকে সর্বনাম (সর্বওয়নাম)—সর্বনাম পদ বলে। সর্বনামের উদাহরণ আগেই দেওয়া হয়েছে। এখানেও কয়েকটি উদাহরণ দেওয়া হলো—মैं, हम, तू, तुम, आप, वह, वे, ये, क्या, कौन ইত্যাদি।

হিন্দীতে সর্বনাম ছয় প্রকার। যেমন—পুরুষবাচক (পুরুষওয়াচক), নিশ্চয়বাচক (নিশ্চয়ওয়াচক), অনিশ্চয়বাচক (অনিশ্চয়ওয়াচক), প্রশ্নবাচক (প্রশ্নওয়াচক), সম্বন্ধবাচক (সম্বন্ধওয়াচক) ও নিজবাচক (নিজওয়াচক)।

राम किताब पढ़ता है । (राम किताब पढ़ता शाय।) राम बड़े पड़े।
मीरा तास खेलती है । (मीरा तान खेलती शाय।) मीरा तान
खेनछे।

पिताजी भात खाता है । (पिताजी भात खाता शाय।) बाबा भात
खाछेन।

मैं रोटी खाती हूँ । (मैं रोटी खाती शाय।) मा रूटी खाछेन।

मैं काम करता हूँ । (मैं काम करता हूँ।) आदि काज करछि।

वे काम करते हैं । (वे काम करते शाय।) तारा काज करछे।

उपরের वाक्यगुणिते—पढ़ता, खेलती, खाता, खाती, करता, करते
प्रभृति क्रियागुणिते कर्म शब्द—किताब, तास, भात, रोटी, काम प्रभृति
कर्म वर्तमान। अतएव एगुलि सकर्मक क्रिया।

जिस क्रिया में कर्म होता है उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं । (जिस
क्रिया में कर्म होता शाय उसे सकर्मक क्रिया कहते शाय।) —ये क्रियार कर्म
आछे ताके सकर्मक क्रिया बले।

अकर्मक क्रिया (अकर्मक क्रिया)—जिस क्रिया में कर्म नहीं है उसे
अकर्मक क्रिया कहते हैं । (जिस क्रिया में कर्म नहीं शाय उसे अकर्मक
क्रिया कहते शाय।) —ये क्रियार कर्म नाई, ताके अकर्मक क्रिया बले।
येमन—

वह खाता है । (वह खाता शाय।) —से थाय।

हम करता है । (हम करता शाय।) —आमरा करछि।

उपরের प्रथम वाक्य बला हयछे—खाता है अर्थात् खाछे, किन्तु कि
खाछे ता बला हय नि। एजन्य वाक्य अकर्मक।

आमर द्वितीय वाक्य बला हयछे—करता है (करता शाय।) —करछे, किन्तु
कि करछे, ता बला हयनि। एजन्य क्रिया अकर्मक।

आमर कर्मर समाप्ति वा असमाप्ति भेदे क्रिया दू भागो विभज्ज। येमन—

१. समापिका क्रिया (समापिका क्रिया) एवं २. असमापिका क्रिया
(असमापिका क्रिया)।

१. समापिका क्रिया (समापिका क्रिया)—ये क्रियार साहाये कर्मर शेष
बेका शाय, ताके समापिका क्रिया बले।

हिन्दी व्याकरणे बला हयछे—जिस क्रिया से क्रिया की पूर्णता प्रकट
होती है, उसे समापिका क्रिया कहते हैं । (जिस क्रिया से क्रिया की
पूर्णता प्रकट होती शाय, उसे समापिका क्रिया कहते शाय।) येमन—

अनिल खाया (अनिल खाया)—अनिल खेयछे।

सुनील गया (सुनील गया)—सुनील गियाछे।

उपरोक्त वाक्य दू टिठे 'खाया' एवं 'गया' एई दू टि क्रियापदर द्वारा
अनिलर खाया कर्मि ओ सुनीलर खाया कर्मि समाप्त हयछे बोका शाय।
अतएव एई दू टि वाक्य समापिका। एई रकम ये सब काज शेष हयछे बोका
शाय, ताके समापिका क्रिया बले।

२. असमापिका क्रिया (असमापिका क्रिया)—जिस क्रिया से क्रिया
की अपूर्णता प्रकट होती है, उसे असमापिका क्रिया कहते हैं ।
(जिस क्रिया से क्रिया की अपूर्णता प्रकट होती शाय, उसे असमापिका क्रिया
कहते शाय।) —ये क्रियार द्वारा कर्मर अपूर्णता प्रकाश पाय, ताके असमापिका
क्रिया बला हय। येमन—

चाय पीकर आओ । (चाय पीकर आओ।) —चां खेये एसो।

भात खाकर जाओ । (भात खाकर जाओ।) —भात खेये याओ।

उपরের वाक्य दू टिठे पीकर (पान करे), खाकर (खाकर)—खेये, क्रिया
दू टिठे द्वारा कर्मर समाप्ति बुवाछे ना। सेजन्य एई वाक्य दू टिके असमापिका
क्रिया (असमापिका क्रिया) बले।

हिन्दीते क्रियार सस्त्रे 'ना' योग करा हय। येमन—जाना (जाना)—याओया,
खाना (खाना)—खाओया, उठना (उठना)—उठा, बैठना (बैठना)—बसा
प्रभृति।

क्रियाएं (क्रियाएँ)—क्रियावाचक शब्दसमूह

बैठना (बैठना)—बसा	ऊठना (ऊठना)—उठा
खाना (खाना)—खाओया	आना (आना)—आसा
जाना (जाना)—याओया	शुलापा (शुलापा)—शोरानो
उतारना (उतारना)—नामानो	उड़ना (उड़ना)—उड़ा
उठाना (उठाना)—ऊठानो	चढ़ाना (चढ़ाना)—चिढ़ानो

पढ़ना (पठना)—पढ़ा	उठाना (उठाना)—उठाने
पीटना (पीटना)—मारना	कहना (कहना)—बना
करना (करना)—करा	पीना (पीना)—पान करना
कमाना (कमाना)—उपाधर्न करना	काँपना (काँपना)—काँपा
नहाना (नहाना)—स्नान करना	घुमना (घुमना)—घोरा
गिनना (गिनना)—गणना करना	जीना (जीना)—बाँटा
ढोना (ढोना)—बहन करना	कुदना (कुदना)—नाकाने
गाना (गाना)—गान करना	जानना (जानना)—जाना
तोड़ना (तोड़ना)—भाँटा	चाहना (चाहना)—चाँदना
तैरना (तैरना)—साँतार देওয়া छिपना (छिपना)—नुकाने	खींचना (खींचना)—टाना
ढकना (ढकना)—ढका देওয়া	पकड़ना (पकड़ना)—पकड़ा
खेलना (खेलना)—खेला	दौड़ना (दौड़ना)—दौड़ाने
डुबना (डुबना)—डोबा	निकलना (निकलना)—बाहिर हওয়া
खलना (खलना)—खेला	सैरना (सैरना)—बेड़ा
टूटना (टूटना)—भाँटा	
नफरत करना (नफरत करना)—घृणा करना	
घबड़ाना (घबड़ाना)—उद्बिग्न हওয়া	

धोना (धोना)—धोওয়া	खोना (खोना)—खराने
तौलना (तौलना)—तौलना	चुराना (चुराना)—चुरि करना
ढुँढ़ना (ढुँढ़ना)—खोजना	चलना (चलना)—चाওয়া
ठहरना (ठहरना)—थामा	छापना (छापना)—छापा
जलना (जलना)—जुला	छोड़ना (छोड़ना)—छोड़ा
जाँचना (जाँचना)—जाँचना	देना (देना)—देওয়া
पालना (पालना)—पोषा	पहुँचना (पहुँचना)—पहुँचाने
पढ़ना (पठना)—पढ़ा	सीना (सीना)—सेनाई करना
पहनना (पहनना)—परा	सोना (सोना)—सोওয়া
पकाना (पकाना)—पकाना करना	लटना (लटना)—लोटना
पीसना (पीसना)—पीसाई करना	पुकारना (पुकारना)—डাকা
पहचानना (पहचानना)—पहचानना	फकना (फकना)—फूँडे केला

मानना (मानना)—श्रद्धा करना	सीखना (सीखना)—शेखा
समझाना (समझाना)—बोझा	सहना (सहना)—सह करना
बचना (बचना)—बाँटा	बेचना (बेचना)—बिक्री करना
बोलना (बोलना)—बना	सकना (सकना)—पारा
सजाना (सजाना)—साझाना	बुलाना (बुलाना)—डাকা
लौटना (लौटना)—फिरे आना	भागना (भागना)—पानाने
लेना (लेना)—लेওয়া	भूलना (भूलना)—भूल करना
लूटना (लूटना)—लूठ करना	भेजना (भेजना)—पाठाने
मरना (मरना)—मरा	मिलना (मिलना)—देखा हওয়া
लिखना (लिखना)—लेखा	रहना (रहना)—थाका

पाठ—८ (पाठ—८)

क्रिया का काल (क्रिया का काल) क्रियार काल

क्रिया के जिस रूप से उसके व्यापार के समय का ज्ञान होता है, उसे काल कहते हैं। (क्रिया के जिस रूप से उसके व्यापार के समय का ज्ञान होता है, उसे काल कहते हैं।) क्रियार के रूप के माहात्मा क्रिया समय के ज्ञान है, तাকে क्रियार काल बना है।

बंगला भाषा में हिन्दी में क्रियार तिनटि काल। येमन—१। वर्तमान काल (वर्तमान काल), २। भूत काल (भूत काल)—अतीत काल (हिन्दी में अतीत काल के भूत काल वना है।) ३। भविष्यत काल (भविष्यत काल)।

१. वर्तमान काल (वर्तमान काल)—वर्तमान काल की क्रिया से इस समय होनेवाले काम का बोध होता है। (वर्तमान काल की क्रिया से इस समय होनेवाले काम का बोध होता है।) वर्तमान काल की क्रिया में क्रियार काजटि এখনও শেষ হয়নি बोधा याछे। तাকে बना है वर्तमान काल। येमन—

स्वपन खाता है । (सपन खाता है।) — स्वपन खाচ্ছে।

तपन पढ़ता है । (तपन पढ़ता है।) — तपन পড়ছে।

मीना सैर करती है । (मीना सैर करती है।) — मीना বেড়াচ্ছে।

उपरोक्त तीनটি वाक्यों यथाक्रमे—खाता है, पढ़ता है, सैर करती है । क्रियापदগুলির দ্বারা যাচ্ছে, পড়ছে, বেড়াচ্ছে বোঝা যাচ্ছে, কিন্তু খাওয়া, পড়া ও বেড়ানো এখনও চলছে, শেষ হয়নি। সেজন্য এগুলি বর্তমান কাল।

हिन्दीতে বর্তমান কাল তিনভাগে বিভক্ত। যেমন— ১. সামান্য বর্তমান, (সামান্যইয় ওয়র্তমান)—সামান্য বর্তমান। ২. তাত্কালিক যা অপূর্ণ বর্তমান (তাৎকালিক ইয়া অপূর্ণ, ওয়র্তমান)—ঘটমান বর্তমান এবং ৩. পূর্ণ বর্তমান (পূর্ণ ওয়র্তমান)—পূর্ণ বর্তমান কাল।

১. সামান্য বর্তমান (সামান্যইয় ওয়র্তমান)—সামান্য বর্তমান কাল—সামান্য বর্তমান কাল سے व्यापार का आरंभ बर्तमान काल में हुआ है, यह बोध होता है । (সামান্যইয় ওয়র্তমান কাল সে ব্যাপার কা আরম্ভ ওয়র্তমান কাল মে হুয়া হ্যায়, ইয়র্ বোধ হোতা হ্যায়।)—সামান্য বর্তমান কালের সাহায্যে কাজটি বর্তমান কালে শুরু হয়েছে এই ধারণা হচ্ছে। আবার যে বর্তমান কালের ক্রিয়াপদের সাহায্যে বর্তমান কালের সামান্যত পরিচয়িত হয়, তাকে সামান্য বর্তমান কাল বলা হয়।

উদাহরণ (উদাহরণ)

মैं खाता हूँ । (मैं खता हूँ।) — আমি खाছি।

हम खाते हैं । (हम खाते हैं।) — আমরা खाছি।

तु खाता है । (तु खाता है।) — তুমি खाছিস।

तुम खाता है । (तुम खाता है।) — তুমি खाছ।

वह खाता है । (वह खाता है।) — সে खाচ্ছে।

উপরের বাক্যগুলি সামান্য বর্তমান কাল। এই বাক্যগুলিতে ক্রিয়ার মূল ধাতুর সঙ্গে পূর্ণিঙ্গে 'তা', দশবচনে 'তে' এবং 'হ্যায়' প্রত্যয় একবচনে ও 'হ্যায়' দশবচনে যুক্ত হয়েছে।

ক্রিয়ায় ক্রিয়ার মূল ধাতুর সঙ্গে 'তী' যুক্ত হয়, ত্রয় কিং একই প্রকার থাকে। যেমন—

मैं खाती हूँ । (मैं खाती हूँ।) — আমি खाছি।

हम खाती हैं । (हम खाती हैं।) — আমরা खाছি।

तु खाती है । (तु खाती है।) — তুমি खाছিস।

तुम खाती हो । (तुम खाती हो।) — তুমি खाছ।

वह खाती है । (वह खाती है।) — সে खाচ্ছে।

वे खाती हैं । (वे खाती हैं।) — তারা (তাহারা) खाচ্ছে।

উপরের বাক্যগুলি লক্ষ্য করলেই দেখা যাবে, ক্রিয়ার মূল ধাতুর সঙ্গে 'তী' এবং 'হী', 'হ্যায়' ও 'হ্যায়' যুক্ত হয়েছে।

২. তাত্কালিক বর্তমান কাল (তাৎকালিক ওয়র্তমান কাল)।

ঘটমান বর্তমান কাল

ক্রিয়া কে জিম ন্যপ সে উতকা বর্তমান কাল মে জারী রহনা প্রকট হা, উমে তাত্কালিক বর্তমান কাল कहते हैं । (क्रिया के जिन रूप से उतका वर्तमान काल में जारी रहना प्रकट हो, उसे तात्कालिक वर्तमान काल कहते हैं।) — ক্রিয়ার যে রূপের দ্বারা বর্তমান কালে যখন কোনও কাজ চলছে বা শেষ হচ্ছে বোঝায়, তাকে তাৎকালিক বর্তমান কাল বলা হয়।

मैं जा रहा हूँ । (मैं जा रहा हूँ।) — আমি চলিতেছি।

कमल जा रहा है । (कमल जा रहा है।) — कमल যাচ্ছে।

तुम जा रहे हो । (तुम जा रहे हो।) — तুমि याछ।

हम जा रहे हैं । (हम जा रहे हैं।) — আমরা যাচ্ছি।

वह जा रहा है । (वह जा रहा है।) — সে যাচ্ছে।

वे जा रहे हैं । (वे जा रहे हैं।) — তারা (তাহারা) যাচ্ছে।

तु जा रहा है । (तु जा रहा है।) — तুমि याछिस।

উপরের বাক্যগুলিতে দেখা যাচ্ছে, চলা ক্রিয়াটি আরম্ভ হয়েছে বটে, কিন্তু এখনও শেষ হয়নি। কাজটি চলছে। এই রকম ক্রিয়াকে ঘটমান বর্তমান বা তাত্কালিক বর্তমান (তাৎকালিক ওয়র্তমান) বলা হয়।

তাৎকালিক বর্তমানে ক্রিয়ার সঙ্গে পূর্ণিঙ্গ একবচনে 'রহা' (রহা) পূর্ণিঙ্গ দশবচনে 'রহে' (রহে) যুক্ত হয় এবং ক্রিয়া উভয় বচনেই 'রহী' (রহী) যুক্ত

হয়। সাহায্যকারী ক্রিয়া বচন অনুসারে ব্যবহৃত হয়। যেমন—

একবচনে—হুঁ (ই), হৈ (হায়), হৌ (হো) ব্যবহৃত হয়।

বহুবচনে—হैं (হায়) ব্যবহৃত হয়।

৩. পূর্ণ বর্তমান কাল (পূর্ণ ওয়রতমান কাল)

পূর্ণ বর্তমান কাল

কোনও কাজ পূর্বে আরম্ভ হয়েছে এবং সবেমাত্র শেষ হয়েছে, তখনো তার বেশ চলছে, ক্রিয়ার এই কালকে পূর্ণ বর্তমান কাল বলে। যেমন—

মैं खाता हूँ । (মায় খাতা হুঁ)।—আমি খাচ্ছি।

हम खाते हैं । (হম খাতে হায়)।—আমরা খাচ্ছি।

वह खाता है । (ওয়হ খাতা হায়)।—সে খাচ্ছে।

वे खाते हैं । (ওয়ে খাতে হায়)।—তারা (তাহারা) খাচ্ছে।

तु खाता है । (তু খাতা হায়)।—তুমি খাচ্ছিস।

উপরের বাক্যগুলি দ্বারা বোঝা যায় খাওয়া কাজটি সবেমাত্র শেষ হয়েছে বটে, তার বেশ এখনও চলছে। এজন্য একে পূর্ণ বর্তমান কাল বলে।

ভূত কাল (ভূত কাল)—অতীত কাল

ভূত কাল কী ক্রিয়া সে বীতে हुए সময় का बोध होता है।

(ভূত কাল কী ক্রিয়া সে বীতে हुए সময় का बोध होता है।)—ভূত কালের ক্রিয়ার দ্বারা কাজটি শেষ হয়েছে বোঝায়। অর্থাৎ যে ক্রিয়া আগেই শেষ হয়ে গেছে বোঝায়, তাকে ক্রিয়ার ভূত কাল বলে। যেমন—

राम कल चला गया । (রাম কল চলা গয়া)।—রাম কাল চলে গেছে।

भारत स्वाधीन हो गया । (ভারত স্বাধীন হো গয়া)।—ভারত স্বাধীন হয়ে গেছে।

এখানে প্রথম বাক্যে রামের বাওয়া কাজটি কালই শেষ হয়েছে বোঝা যাচ্ছে। দ্বিতীয় বাক্যে ভারত আগেই স্বাধীন হয়ে গেছে বোঝাচ্ছে। অতএব বাক্যগুলি ভূত কাল বা অতীত কাল।

हिन्दी में भूत काल को छः वर्ग में बांटा हुआ ! (हिन्दी में भूत काल को छह वर्ग में बांटा हुआ)।—हिन्दीতে ভূত কালকে ছয়টি শ্রেণিতে ভাগ করা হয়েছে। যেমন— ১. সামান্য ভূত কাল (সামান্য ভূত কাল)—সামান্য অতীত কাল। ২. আসন্ন ভূত কাল (আসন্ন ভূত

কাল)—আসন্ন অতীত কাল। ৩. পূর্ণ ভূত কাল (পূর্ণ ভূত কাল)—পূর্ণ অতীত। ৪. সন্দিগ্ধ ভূত কাল (সন্দিগ্ধ ভূত কাল)—সন্দিগ্ধ অতীত কাল।

৫. তাত্কালিক ভূত কাল (তাত্কালিক ভূত কাল)—ঘটমান অতীত কাল। হেতু হেতুমদ ভূত কাল (হেতু হেতুমদ ভূত কাল)—শর্তসাপেক্ষ অতীত কাল।

সামান্য ভূত কাল (সামান্য ভূত কাল)—যে ক্রিয়ার দ্বারা কর্তার যাবার ধারণা দেনো, তাকে সামান্য ভূত কাল বলে। যেমন—

वह चला (ওয়হ চলা)।—সে চলল। हम चले (হম চলে)।—আমরা যাই।

तुम चले (তুম চলে)।—তুমি চললে। मैं जाता (মায় জাতা)।—আমি যাই।

वे चले (ওয়ে চলে)।—তারা চলল।

সামান্য ভূতকালে ক্রিয়ার ধাতুর সঙ্গে 'আ' যুক্ত করতে হয়। অর্থাৎ ক্রিয়ার ধাতুর সঙ্গে পুংলিঙ্গে 'আ' যুক্ত করলে এবং স্ত্রীলিঙ্গে 'ই' যুক্ত করলে, সামান্য ভূত কাল হয়। যেমন—

পুংলিঙ্গ

স্ত্রীলিঙ্গ

बोल+आ = बोला (বলল) বोल+ई = बोली (বলল)

चल+आ = चला (চলল) चल+ई = चली (চলল)

देख+आ = देखा (দেখল) देख+ई = देखी (দেখল)

উপরোক্ত অ-কারান্ত (অ-কারান্তে) ধাতুর সঙ্গে এইভাবে পুংলিঙ্গে—'আ' এবং স্ত্রীলিঙ্গে 'ই' যুক্ত করে সামান্য ভূত কালের ক্রিয়ায় পরিণত করা হয়।

কিন্তু যে সব ধাতুর সঙ্গে 'আ-কার' যুক্ত থাকে, অর্থাৎ 'আ-কারান্ত' (আ-কারান্ত) ধাতুর সঙ্গে 'মী' বা 'ই' যুক্ত করে সামান্য ভূত কালে রূপান্তরিত করা হয়।

আসন্ন ভূত কাল (আসন্ন ভূত কাল)

क्रिया के जिस रूपसे उस के पूरा होने का समय निकट में ही संख्या जाता है, उसे आसन्न भूत काल कहते हैं। (क्रियाके जिस रूपसे उसके पूरा होने का समय निकट में ही संख्या जाता है, उसे आसन्न भूत काल कहते हैं।)—क्रियार যে রূপের দ্বারা কার্য সম্পন্ন হবার সময় খুব নিকটবর্তী জানা যায় বা বোঝা যায়, তাকেই আসন্ন ভূত কাল বলে। যেমন—

मैं खा चुका हूँ । (मैय खा चुका हूँ)।—आमि खेয়েছি।

हम खा चुका हैं । (हम् खा चुका ह्य़ा।)—आमरा खेयेछि।

उपरोक्त वाक्य दूटिद्वारा बोका याय 'खाओया' क्रियाटि चलहे वा शुरु हते चलेहे। एज्जन् एगुलि आसन्न भूत काल।

पूर्ण भूत काल (पूर्ण भूत काल)

एहि क्रियार वाक्यगुलि अतीत कालेर मतो शोनालोओ प्रकृतपक्षे एहि सब वाक्य पूर्ण भूत कालेर। येमन—

मैं खाया था । (मय़ खाया था।)—आमि खेयेछिलाम।

हम खाये थे । (हम् खाये थे।)—आमरा खेयेछिलाम।

तु खाया था । (तू खाया था।)—तूई खेयेछिस।

उपरोक्त वाक्यगुलि 'खाओया' क्रियाटि शेष हयेहे बोका याछे। अर्थात् एखाने क्रिया कार्य सम्पूर्ण हयेहे जाना याछे। एज्जन् एगुलि पूर्ण भूत काल।

सन्दिग्ध भूत काल (सन्दिग्ध भूत काल)

जिस भूत काल की क्रिया के होने में, सन्देह हो उसे सन्दिग्ध भूत काल कहते हैं । (जिस भूतकाल की क्रियाके होने में सन्देह हो, उसे सन्दिग्ध भूत काल कहते ह्य़ा।)—ये सकल भूत कालेर क्रियाय सन्देह हय, ताके सन्दिग्ध भूत काल बले। येमन—

मैंने देखा होगा । (मय़ने देखा होगा।)—आमि हयतो नेखेछिलाम।

हमने देखे होंगे । (हम्ने देखे होंगे।)—आमरा हयतो नेखेछिलाम।

उपरोक्त वाक्य दूटिद्वारा देखा क्रियाटि सन्देह आछे। एज्जन् एके बला हय सन्दिग्ध भूत काल।

सन्दिग्ध भूत काले पुलिप्त एकवचने क्रियार सप्ते 'होगा' प्रत्यय युक्त हय एवं पुलिप्त बहुवचने—'होंगे' युक्त हय। त्रीलिप्त उभय वचने क्रियार सप्ते ई' युक्त हय ओ प्रत्ययेर सप्ते होगी (होगी) होगी (होगी) युक्त हय। येमन—

मैंने देखी होगी । (मय़ने देखी होगी।)—आमि हयतो नेखेछिलाम।

हमने देखी होगी । (हम्ने देखी होगी।)—आमरा हयतो नेखेछिलाम।

तात्कालिक भूत काल (तात्कालिक भूत काल)

जिस क्रिया से यह समझ में आता है कि भूत काल के क्रिया

चल रहा है, उसे तात्कालिक भूत काल कहते हैं । (जिस क्रिया से हय् समझ में आता हय कि भूत काल के क्रिया चल रहा हय, उसे तात्कालिक भूत काल कहते ह्य़ा।)—ये क्रियार द्वारा एहि बोका याय ये, भूत कालेर क्रिया चलहे, ताके तात्कालिक भूत काल बले। येमन—

मैं खा रहा था । (मय़ खा रहा था।)—आमि खाछिलाम।

हम खा रहे थे । (हम् खा रहे थे।)—आमरा खाछिलाम।

उपरोक्त वाक्य दूटिद्वारा 'खाओया' क्रियाटि चलहे बोका याछे, एज्जन् एके तात्कालिक भूत काल बला हय।

तात्कालिक भूत काले क्रियार सप्ते पुलिप्त एकवचने था' (था) ओ बहुवचने थे' (थे) युक्त करे एवं साहाय्यकारी क्रियार सप्ते 'रहा' (रहा) 'रहे' (रहे) युक्त करहे हय।

त्रीलिप्त एकवचने साहाय्यकारी क्रियार सप्ते ई' (ई) ओ थी' (थी), ओ बहुवचने साहाय्यकारी क्रियार सप्ते ई' (ई) ओ थीं (थीं) युक्त करे तात्कालिक भूत काल करा हय। येमन—

मैं खा रही थी । (मय़ खा रही थी।)—आमि खाछिलाम।

हम खा रही थीं । (हम् खा रही थीं।)—आमरा खाछिलाम।

हेतु हेतुमद भूत काल (हेतु हेतुमद भूत काल)

जिस भूत काल में एक क्रिया का होना दूसरी क्रिया अवलम्बित हो, उसे हेतु हेतुमद भूत काल कहते हैं । (जिस भूत काल में एक क्रिया का होना दूसरी क्रिया अवलम्बित हो, उसे हेतु हेतुमद भूत काल कहते ह्य़ा।)—ये समस्त भूत कालेर क्रिया सम्पन्न हवार जन्म अपर क्रियार उपर निर्भर करे, ताके हेतु हेतुमद भूत काल बले। येमन—

यदि मैं खेलता । (इयदि मय़ खेलता।)—यदि आमि खेलताम।

यदि हम खेलते । (इयदि हम् खेलते।)—यदि आमरा खेलताम।

त्रीलिप्ते एहि क्रियार रूप हय निम्नरूप—

यदि मैं खेलती । (इयदि मय़ खेलती।)—यदि आमि खेलताम।

यदि हम खेलती । (इयदि हम् खेलती।)—यदि आमरा खेलताम।

উপরোক্ত বাক্যগুলিতে ক্রিয়া সম্পূর্ণ হয় নাই অন্য কোনও ক্রিয়ার অপেক্ষায় আছে। সেজন্য একে হেতু হেতুমান ভূত কাল বলে। বাক্যগুলি লক্ষ্য করলে দেখা যাবে এই ক্রিয়ার পুংলিঙ্গ একবচনে ক্রিয়ার সঙ্গে 'আ' (আ) এবং বহুবচনে 'এ' (এ) যুক্ত হয়েছে। আবার স্ত্রীলিঙ্গ একবচনে 'তী' (তী) ও বহুবচনে 'তী' (তী)—যুক্ত হয়েছে।

সামান্য ভূত কাল (সামান্য ভূত কাল)

পুংলিঙ্গ একবচনে—মैं, तू, तুম, वह, आप, उसने एक सेब खाया। (মায়, তু, তুম, ওয়হ, আপ, উসনে এক সেব খায়া।)—আমি, তুই, তুমি, সে, আপনি, সে একটি আপেল খেয়েছি বা খেয়েছে।

পুংলিঙ্গ বহুবচনে—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे, बहुत, सेबों खाये। (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে, বহুত সেবোঁ খায়ে।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক আপেল খেয়েছি বা খেয়েছে।

স্ত্রীলিঙ্গ একবচনে—मैं, तू, तুম, वह, आप, उसने एक सेब खायी। (মায়, তু, তুম, ওয়হ, আপ, উসনে এক সেব খায়ী।)—আমি, তুই, তুমি, সে, আপনি, সে একটি আপেল খেয়েছে বা খেয়েছি।

স্ত্রীলিঙ্গ বহুবচনে—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहुत सेबों खाया है। (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত সেবোঁ খায়ী হায়।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক আপেল খেয়েছে বা খেয়েছি।

সামান্য ভূত কাল (সামান্য ভূত কাল)

পুংলিঙ্গ একবচনে—मैं, तू, तুম, वह, आप, उसने एक खाया है। (মায়, তু, তুম, ওয়হ, আপ, উসনে এক ফল খায়া হায়।)—আমি, তুই, তুমি, সে, আপনি, সে একটি ফল খেয়েছে।

পুংলিঙ্গ বহুবচনে—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहुत फलों खाये है। (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে, বহুত ফলোঁ খায়ে হায়।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল খেয়েছে বা খেয়েছি।

স্ত্রীলিঙ্গ একবচনে—मैं, तू, तুম, वह, आप, उसने एक फल खायी है। (মায়, তু, তুম, ওয়হ, আপ, উসনে এক ফল খায়ী হায়।)—আমি, তুই,

তুমি, সে, আপনি, সে একটি ফল খেয়েছে বা খেয়েছি।

স্ত্রীলিঙ্গ বহুবচনে—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहुत फलों खाया है। (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত ফলোঁ খায়ী হায়।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল খেয়েছে বা খেয়েছি।

পূর্ণ ভূত কাল (পূর্ণ ভূত কাল)

পুংলিঙ্গ একবচনে—मैं, तू, तুম, वह, आप, उसने एक फल खाया था। (মায়, তু, তুম, ওয়হ, আপ, উসনে এক ফল খায়া থা।)—আমি, তুই, তুমি, সে, আপনি, সে একটি ফল খেয়েছিল বা খেয়েছি।

পুংলিঙ্গ বহুবচনে—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहुत फलों खाये थे। (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে, বহুত ফলোঁ খায়ে থে।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল খেয়েছিলাম বা খেয়েছিল।

স্ত্রীলিঙ্গ একবচনে—मैं, तू, तুম, वह, आप, उसने एक फल खायी थी। (মায়, তু, তুম, ওয়হ, আপ, উসনে এক ফল খায়ী থী।)—আমি, তুই, তুমি, সে, আপনি, সে একটি ফল খেয়েছি বা খেয়েছিলাম।

স্ত্রীলিঙ্গ বহুবচনে—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहुत फलों खायी थीं। (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত ফলোঁ খায়ী থী।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল খেয়েছি বা খেয়েছিলাম।

সন্দিগ্ধ ভূত কাল (সন্দিগ্ধ ভূত কাল)

পুংলিঙ্গ একবচনে—मैंने, तुने, तुमने, वह, आप, उसने एक फल खाया होगा। (মায়নে, তুনে, তুমনে, ওয়হ, আপ, উসনে এক ফল খায়া হোগা।)—আমি, তুই, তুমি, সে, আপনি, তিনি একটি ফল হয়তো খেয়েছি বা খেয়েছিল।

পুংলিঙ্গ বহুবচনে—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहुत फलों खाये होंगे। (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত ফলোঁ খায়ে হোগে।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল হয়তো খেয়েছিল বা খেয়েছিলাম।

স্ত্রীলিঙ্গ একবচনে—मैंने, तुने, तुमने, वह, आप, उसने एक फल

জায়ী होगী । (মাংস, তুনে, দুধ, চর্ড, আপ, উইল এক ফল বাগী
হোগী) — অমি, দুই, দুই, সে, আপনি, তিনি একটি ফল হইতে বেয়েছিল
বা বেয়েছিলাম।

ফ্রান্সিস বহুজন—হুম, তু তম, তুমলোগ, জাপলোগ, বে बहुत फलो
 खायी होगी । (हम, तू सब, तुमलोग, आपलोग, कुछ बहुत फलों खायी
 होगी।) —आमरा, तोरा, तोंमरा, आपनारा, तारा अनेक फल हयते
 खाई। वा बेछेछि।

सम्भाव्य भूत काल (नडाक डूड काल)

पुननिष्ठ एकवचन—मैं, तु, तुमने, वह, आप, उसने एक फल खाया हो । (मैंने, तू, तुम्हने, उसने, आप, उसने एक फल खाया है।) —आमि, तूई, तूयि, से, आपनि, से एकटि फल बेयेछि वा खेयेछ।

পুণিঃ বহুবচন—হম, তু, সব, তুমলোগ, আপলোগ, বে বহুত ফলো
 খায়ে হো । (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত ফলো খায়ে
 হো।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল খেয়েছি বা
 খেয়েছ।

খোয়েছ।
 স্ত্রীনিগ্র একবচন—মৈ, তু, তুমনে, বহ, আপ, উসনে এক ফল খায়ী
 হো । (মাং, তু, তুম্‌নে, ওয়হ, আপ, উস্‌নে এক ফল খায়ী হো।)—আমি, তুই,
 তুমি, সে, আপনি, সে একটি ফল খয়েছি বা খেয়েছ।

খ্রীলিঙ্গ বহুবচন—হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, বে বহুত ফলো
 খায়ী হো । (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওরে বহুত ফলো খায়ী
 হো।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল খেয়েছি বা
 খেয়েছ।

सम्भाव्य पूर्ण भूत काल (संज्ञाया पूर्ण छूत काल)

पुनर्लिप्त एकवचन—मैं, तू, तुम, आप, उसने एक फल खाया
होना । (मैं, तू, तुम, आप, उसने फल खाया होगा।)—आमि, तूई, तूमि,
आपनि. से एकटा फल खेयेछि वा खेयेह ।

পুলিন্দ্র বহুবচন—হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, দে বহুত কলো
 খায়া হোগা । (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত ফলো খায়া
 হোগা)।—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল খেয়েছি বা
 খেবেছে।

हीनिम एकवचन—मैं, तु, तुम, आप, उसने एक फल खायी

হোগী । (মাঁয়, তু, তুম, আপ, উস্‌নে ফল খায়ী হেগী।)—আমি, তুই, তুমি, আপনি, সে একটি ফল খেয়েছি বা খেয়েছে।

ঈনিম্ন কথন—হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, বে বহুত ফল
 খায়ী হোগী । (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত ফল
 হোগী।)—আমরা তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল
 খেয়েছে।

सम्भाव्य भविष्यत (संभाव्य भविष्यत)

मैं चलूँ । (याय चलूँ।)—आमि चलबो। हम चले । (हम् चले।)—आमरा
चलबो।

তুমি চলো । (তুমি চলো?)—তুমি কি চলবে?

বহু চলা । (ওয়হ চলা?)—সে কি চলবে? তু চল । (তু চলা?)—তুই-

mounaraj ५०५ ए. गंगाजी . com दि जनदि?

0105040547

ਪਾਠ—੧ (ਪਾਠ—੧)

ক্রিয়া বিশেষণ (ক্রিয়া ওয়িশেষণ)—ক্রিয়া বিশেষণ

जो पद क्रिया की विशेषता बताता है, उसे क्रिया विशेषण कहते हैं। (जो पद क्रिया की औपनिवेशता बताता है, उसे क्रिया औपनिवेशक कहते हैं।) — ये अन्वय वा पद क्रिया की विशेषता ज्ञानन करते, ताकि क्रिया विशेषण बने।

‘‘য্যাম জন্মী আতা হৈ । (শ্যাম জন্মী আতা শ্যাম)।—শ্যাম তাড়াতাড়ি
‘‘আজি।

तीता हमेशा आती है । (गीता हमेशा आती शाय।)—गीता प्रायः
आती।

উপরের দাঁত দুটিই জলদী (খলদী) এবং হমেশা (হমেশা) শব্দ দুটির দ্বারা আসা है (আজ শব্দ) ও আসা है (আজী শব্দ) তিনটি দুটির বিশেষতা প্রকাশ পাবে। অর্থাৎ শব্দ ক্রম ভাবে আসে—জলদী (খলদী) ছাড়া তড়িৎ। আবার মীতা ক্রম ভাবে আসে: হমেশা (হমেশা)—আজী। এখন একে তিনটির বিশেষতা বলা হয়।

अन्वय (अवश्यम्)—अवश्य

जिसे शब्द में विकार नहीं होता, उसे अव्यय कहते हैं। (छिन्)

মুন্না রাজ

শ্যামনগর/হরিনগর

স্বা. ০১৯৫০১১৯৪৪৭

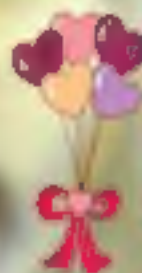
মহালা:munnaraj494@gmail.com

fb:munnaraj

munnaraj494@gmail.com

passward:munnaraj

দাদা কেমনগেলে মনাকোর কবলে
হরিনগর জেলা ছাউনেকোষে প্রিয়ক দেওয়া কনক



আমার কাছে HSE এর বিজ্ঞান বিভাগ

এর সকল ইবুক ও ভিডিও টিউটোরিয়াল আছে।

আর BCS/বার ক/ভর্তি পরিক্ষার জন্য আছে অসংখ্য

ইবুক। এছাড়া মহাভারত সহ বিভিন্ন কবিতার ইবুক আছে।

ধাধা গল্পের বই, গ্রাম্যর বিভিন্ন ভাষা শিক্ষা, ইলেক্ট্রনিক শিক্ষা

এর অফুবান্ত ইবুক আছে।